घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 158- शुक्रवार 10- अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.38 प्रतिशत वोटिंग

पुडुचेरी में 89.81 प्रतिशत मतदान,केरलम में 49 साल में दूसरी रिकॉर्ड 78.01 प्रतिशत वोटिंग हुई

नई दिल्ली,09 अप्रैल 2026। देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए शाम 6 बजे तक वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के अनुसार रात 8 बजे तक असम में 85.38% मतदान हुआ। असम के इतिहास में यह सबसे ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा है। केरलम में पिछले 49 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.01% वोट डाले गए। 1977 में रिकॉर्ड 79.2% मतदान हुआ था। वहीं पुडुचेरी में 89.81% मतदान हुआ। असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों की इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए,दो की हालत गंभीर है। पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक बाइक से पहुंचे। केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला। असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। यहां 140 सीटें हैं। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई।

असम में कांग्रेस कैंडिडेट ने ईवीएम तोड़ी,भाजपा-कांग्रेस समर्थक भिड़े

असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए। सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि श्रीभूमि जिले के पथारकंडी से कांग्रेस उम्मीदवार कार्तिक सेना सिन्हा रंगमती बूथ में घुस गए और पीठासीन अधिकारी से बहस करने लगे। उनका दावा था कि फर्जी वोटर्स ने असली लोगों के वोट डाले हैं। जब पीठासीन अधिकारी ने इस आरोप का खंडन किया, तो उन्होंने ईवीएम तोड़ दी। इसके बाद कांग्रेस और भाजपा समर्थकों ने आपस में हाथापाई शुरू कर दी। इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। उन्हें इलाज के लिए करीमगंज सिविल अस्पताल भेजा गया है। श्रीभूमि की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लीना डोले मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया सिन्हा का सीधा मुकाबला असम के मंत्री और भाजपा उम्मीदवार कृष्णेंदु पॉल से है।

त्रिपुरा उपचुनाव में शांतिपूर्ण मतदान पूरा,79.84% वोटिंग दर्ज

त्रिपुरा के धर्मनगर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए मतदान गुरुवार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। शाम 5 बजे तक करीब 79.84 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। खराब मौसम के बावजूद मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला और लोग बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचे। सुबह सात बजे से शुरू हुआ मतदान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुआ, जहां सभी 55 बूथों पर शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित किया गया।

बंगाल में गुंडागर्दी का हिसाब लेंगे : पीएम मोदी

कहा...कांग्रेस-लेफ्ट एक थाली के चट्टे-बट्टे,टीएमसी ने निर्ममता की हदें पार कीं

कोलकाता,09 अप्रैल 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के आसनसोल में जनसभा की। उन्होंने कहा कि आपने टीएमसी पर विश्वास किया था, लेकिन टीएमसी ने बंगाल में निर्ममता की सारी हदें पार कर दीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर देश 100 रुपए कमाता है, तो बंगाल का योगदान सिर्फ 5 से साढ़े 6 रुपए रह गया है। बंगाल के आम आदमी की आमदनी लगातार कम हो रही है,जबकि टीएमसी के नेता और मंत्रियों के बंगले बड़े होते जा रहे हैं। 4 मई के बाद हर गुंडागर्दी का हिसाब लिया जाएगा। बंगाल में अब टीएमसी का भय नहीं, भाजपा का भरोसा चलेगा।

इससे पहले गुरुवार को ही मोदी ने पश्चिम बंगाल के हल्दिया में जनसभा की। उन्होंने कहा...टीएमसी ने बंगाल के युवाओं को डबल धोखा दिया है। यहां प्राइवेट सेक्टर का नामोनिशान मिटा दिया है। टीएमसी के भ्रष्टाचारियों ने युवाओं के परिवारों के सपनों को कुचल दिया है। लेफ्ट और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि...बीते कुछ दशकों में बंगाल ने हर पार्टी पर भरोसा करके देखा है। पहले कांग्रेस फिर लेफ्ट और फिर कांग्रेस। लेकिन ये सब एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। इन लोगों नो सिर्फ बंगाल को धोखा दिया,उनके सपनों को मिट्टी में मिला दिया और उनके सपनों को कुचल दिया। इधर,आरजी कर अस्पताल केस की पीड़ित की मां रत्ना देबनाथ ने कहा है कि जब तक उनकी बेटी को पूरा न्याय नहीं मिल जाता, वे अपने बालों में कंघी नहीं करेंगी। रत्ना भाजपा के टिकट पर पानीहाटी सीट से चुनाव लड़ रही हैं।

पीएम ने कहा...टीएमसी बलात्कारियों के पक्ष में होती है...

प्रधानमंत्री मोदी ने आसनसोल की जनसभा में कहा कि चाहे आरजी कर हो या संदेशखली, टीएमसी हमेशा बलात्कारियों के पक्ष में होती है। उन्होंने यह भी कहा कि एसिड अटैक के मामलों में आज बंगाल सबसे आगे पहुंच गया है। लेकिन बंगाल की महिलाओं को यह सब नहीं चाहिए। उन्हें सुरक्षा और अधिकार चाहिए।

पीएम बोले...4 मई के बाद टीएमसी से गुंडागर्दी का हिसाब लेंगे...

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि 4 मई के बाद यह क्रूर सरकार जाएगी और भाजपा सरकार आएगी। इस क्षेत्र की हर समस्या का समाधान हमारी सरकार करेगी। 4 मई के बाद हर गुंडागर्दी का हिसाब लिया जाएगा। बंगाल में अब टीएमसी का भय नहीं,भाजपा का भरोसा चलेगा।

विकास का ट्रैक रिकॉर्ड सिर्फ बीजेपी के पास : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने आसनसोल में कहा कि बंगाल में विकास करने और उसे प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ाने का सबसे मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड सिर्फ बीजेपी के पास है। अब बंगाल की जनता विकास का ट्रैक रिकॉर्ड देखना चाहती है, और सबसे मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड बीजेपी का ही है। पीएम मोदी ने आसनसोल में जनसभा के दौरान कहा कि बीजेपी विकास के मॉडल पर काम करती है। इसलिए यह चुनाव सिर्फ सरकार बदलने का चुनाव नहीं है, बल्कि आसनसोल को फिर से औद्योगिक बनाने का चुनाव है।

विश्व शांति के लिए नवकार मंत्र का सामूहिक जाप प्रासंगिक : अमित शाह

नई दिल्ली,09 अप्रैल 2026। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब विश्व के विभिन्न हिस्सों में अपने विचारों को स्थापित करने के लिए संघर्ष की स्थिति बनी हुई है,ऐसे समय में समस्त मानवता के कल्याण के लिए नवकार मंत्र का सामूहिक जाप अत्यंत सार्थक और प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि आज विश्व को शांति,सौहार्द और आपसी समझ की आवश्यकता है,जिसे इस प्रकार के आध्यात्मिक प्रयासों के माध्यम से सशक्त किया जा सकता है। गृह मंत्री गुरुवार को यहां आयोजित 'विश्व नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत विविध धर्मों और संप्रदायों का देश है, जहां प्रत्येक परंपरा में मंत्रों की विशेष महत्ता और आध्यात्मिक शक्ति का वर्णन मिलता है। अमित शाह ने कहा कि मंत्र मानव जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। हमारे चैतन्य को जागृत करते हैं और शुभ संकल्पों को दृढ़ बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जब श्रद्धा और एकाग्रता के साथ लोग सामूहिक रूप से एक ही मंत्र का जाप करते हैं, तो उसका प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज, राष्ट्र और पूरे विश्व पर सकारात्मक रूप से पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों और सिद्धों ने पीढ़ियों तक तप और साधना करके ऐसे मंत्रों की रचना की है,जो समस्त मानवता के कल्याण के लिए हैं। इन मंत्रों को केवल श्रद्धा से स्वीकार करना ही पर्याप्त नहीं है,बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना भी आवश्यक है। गृह मंत्री ने नवकार मंत्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पूर्णतः निराकार, निरपेक्ष और सार्वभौमिक प्रार्थना है,जिसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं है। यह मंत्र किसी विशेष जाति,धर्म,क्षेत्र या काल तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए समान रूप से उपयोगी है। यही कारण है कि इस प्रकार की समावेशी प्रार्थना विश्व में अत्यंत दुर्लभ है। अमित शाह ने बताया कि नवकार मंत्र में 'नमो' शब्द का अर्थ पूर्ण समर्पण है, जो साधक को अहंकार त्यागने और आत्मशुद्धि की दिशा में अग्रसर करता है। नमन करने की प्रक्रिया से ही व्यक्ति के भीतर अहंकार का क्षय प्रारंभ हो जाता है और वह आत्मिक उन्नति की ओर बढ़ता है। उन्होंने 'अरिहंत' की व्याख्या करते हुए कहा कि अरिहंत वह होता है, जो अपने आंतरिक शत्रुओं जैसे क्रोध, मान, माया और लोभ पर विजय प्राप्त कर लेता है। ऐसे व्यक्ति को जैन शास्त्रों में उच्चतम स्थान दिया गया है।

तेलंगाना के वरिष्ठ नेता टी.जीवन रेड्डी बीआरएस में होंगे शामिल

हैदराबाद,09 अप्रैल 2026। तेलंगाना के पूर्व कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री टी. जीवन रेड्डी अब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल होंगे। गुरुवार दोपहर बाद जगतियाल में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) से मिलने के तुरंत बाद कांग्रेस नेता जीवन रेड्डी ने अपने अगले राजनीतिक जीवन का ऐलान कर दिया। टी. जीवन रेड्डी ने कांग्रेस के साथ अपने 42 साल के रिश्ते को तोड़ते हुए गत 25 अप्रैल को इस्तीफा दे दिया था। उनकी नाराजगी पार्टी नेतृत्व से थी। रेड्डी का कहना था कि कांग्रेस पार्टी में पुराने नेताओं को उपेक्षित-अपमानित किया जा रहा है और दल बदलुओं को प्रश्रय मिल रहा है। जीवन रड्डी ने आज बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर से मुलाकात के बाद बीआरएस ओं शामिल होने की घोषणा कर दी है। माना जा रहा है कि जीवन रेड्डी 13 अप्रैल को बड़ी आम सभा में समर्थकों के साथ बीआरएस में शामिल हो सकते हैं। गुरुवार को बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव से मुलाकात से पहले उन्होंने मीडिया से बातचीत में यह बयान दिया। तेलंगाना के वरिष्ठ राजनीतिक नेता और जगतियाल से 6 बार के विधायक रहे टी जीवन रेड्डी ने कहा है कि आगामी चुनावों में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की हार तय है। जीवन रेड्डी ने पूर्ववर्ती केसीआर सरकार की सराहना करते हुए कहा कि बीते 10 वर्षों का बीआरएस शासन, वर्तमान कांग्रेस सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल से बेहतर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हर क्षेत्र में विफल रही है। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि आगामी चुनावों में बीआरएस जीत दर्ज कर सत्ता में वापसी करेगी।

कॉप 33 की मेजबानी से हटना सरकार की जलवायु के प्रति प्रतिबद्धताओं पर सावल खड़े करता है : जयराम रमेश

नई दिल्ली,09 अप्रैल 2026। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भारत द्वारा वर्ष 2028 में होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज (कॉप 33) की मेजबानी से पीछे हटने के फैसले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक दिसंबर 2023 को दुबई में बड़े जोर-शोर से घोषणा की थी कि भारत कॉप 33 की मेजबानी करेगा, लेकिन अब अचानक इस प्रस्ताव को वापस लेना पेरिस समझौते पर सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े करता है। रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने पोस्ट में आरोप लगाया कि यह घोषणा 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक लाभ लेने के उद्देश्य से की गई थी, जैसे 2024 के चुनाव से पहले नई दिल्ली में जी 20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था। अब बिना किसी स्पष्ट कारण बताए मेजबानी से पीछे हटना सरकार की जलवायु प्रतिबद्धताओं पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय 2015 के पेरिस समझौते के प्रति सरकार की सच्ची प्रतिबद्धता पर संदेह पैदा करता है।

पंचभूतों का संतुलन ही पर्यावरण का असली रक्षक : द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली,09 अप्रैल 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी नागरिक को पंचभूतों के पवित्र संतुलन को समझना जरूरी है। राष्ट्रपति को आज राष्ट्रपति भवन में 'वृक्ष वेदाम 2.0' नामक पुस्तक भेंट की गई। इस पुस्तक के लेखक पूर्व सांसद एवं ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक जोगिनपल्ली संतोष कुमार हैं। यह अवसर भारत की प्राचीन पर्यावरणीय चेतना और आधुनिक हरित आंदोलन के संगम का प्रतीक बना। इस पुस्तक का मुख्य उद्देश्य यह बताना है कि भारत की प्राचीन वेद-उपनिषद परंपरा में छिपा पर्यावरणीय ज्ञान आज भी उतना ही प्रासंगिक है,जितना सदियों पहले था। यह ज्ञान आज की आधुनिक पर्यावरणीय समस्याओं का प्रभावी समाधान पेश करता है। उन्होंने वर्तमान समय को अमृत काल (अवसरों का स्वर्ण युग) और आपद काल (संकट का समय) दोनों बताया। राष्ट्रपति ने कहा, मानवता आज लालच और अति उपभोग के कारण प्रकृति से दूर होती जा रही है और पंचभूतों आकाश,वायु,अग्नि,जल और पृथ्वी के पवित्र संतुलन को भूल रही है। हर मनुष्य इन पंचभूतों से निर्मित है और अंततः इन्हीं में विलीन होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ अपने इस गहरे संबंध को समझें और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। मुर्मु ने इस पुस्तक में उल्लिखित पंक्ति लाइफ फ्लोरिशेस ओनली व्हेन द अर्थ इज ग्रीन (धरती पर हरियाली ही जीवन का आधार है) का उल्लेख करते हुए आशा व्यक्त की कि ग्रीन इंडिया चैलेंज देशभर में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा। इस अभियान के माध्यम से पिछले आठ वर्षों में लगभग 19.6 करोड़ पौधारोपण किया गया है,जो अभूतपूर्व है।

उन्होंने आह्वान है कि प्रत्येक नागरिक प्रकृति के साथ अपने अटूट संबंध को पहचाने और पर्यावरण संरक्षण,जैव विविधता की रक्षा तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाए। अभियान के अंतर्गत कई उल्लेखनीय पहल की गई हैं। इनमें तेलंगाना में आरक्षित वनों का पुनरुद्धार,पश्चिम बंगाल के सुंदरबन में 20 हजार मैंग्रोव पौधों का रोपण और कोटि वृक्षार्चना (एक करोड़ वृक्षों की पूजा) कार्यक्रम शामिल हैं। इस मौके पर सांसद केआर सुरेश रेड्डी, वद्दिराजु रविचंद्र,सांसद बी. पार्थसारथी रेड्डी, पूर्व सांसद एवं ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक जोगिनपल्ली संतोष कुमार,इग्नाइटिंग माइंड्स ऑर्ग नाइजेशन के संस्थापक एम.करुणाकर रेड्डी, ग्रीन इंडिया चैलेंज के सह-संस्थापक संजीवुला राघवेंद्र सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि ग्रीन इंडिया चैलेंज की शुरुआत 17 जुलाई 2018 को हरा है तो भरा है के संदेश के साथ हुई थी। यह अभियान तेलंगाना सरकार के 'हरित हरम'कार्यक्रम से प्रेरित है, जिसकी शुरुआत 2015 में की गई थी। हैदराबाद से शुरू हुआ यह अभियान आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल चुका है,जिसमें आम नागरिकों से लेकर उद्योगपति,राजनेता और फिल्मी हस्तियां भी सक्रिय हैं।

देश में एलपीजी की सप्लाई बाधित नहीं,एक दिन में आपूर्ति हुए 51 लाख से ज्यादा सिलेंडर : सुजाता शर्मा

नई दिल्ली,09 अप्रैल 2026। पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश में एलपीजी की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। बुधवार को 51 लाख से ज्यादा सिलेंडर आपूर्ति किए गए हैं। साथ ही कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 70 फीसदी तक बहाल कर दी गई है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने गुरुवार को अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता में बताया कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच एलपीजी की लगभग 60 फीसदी जरूरत आयात पर निर्भर है, जिससे इसकी उपलब्धता प्रभावित हुई है। इसे संभालने के लिए घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी गई है, जिससे घरों के लिए 100 फीसदी सप्लाई सुनिश्चित हो सके और डिस्ट्रीब्यूटरों के पास किसी भी तरह की कमी की रिपोर्ट न हो। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग 98 फीसदी तक और ओटीपी आधारित डिलीवरी 92 फीसदी तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 70 फीसदी तक बहाल कर दी गई है, जिसमें मुख्य क्षेत्रों के लिए थोक सप्लाई भी शामिल है। शर्मा ने कहा कि 14 मार्च से अब तक करीब एक लाख टन गैस सप्लाई की गई है, जिसमें कल सप्लाई किए गए 6,700 टन भी शामिल हैं। यह लगभग 3.5 लाख 19 किलो वाले गैस सिलेंडरों के बराबर है। सुजाता शर्मा ने बताया कि 5 किलो वाले रसोई गैस सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ा दी गई है। 23 मार्च से अब तक 10 लाख से ज्यादा सिलेंडर बेचे जा चुके हैं,जबकि कल 1.06 लाख सिलेंडर बेचे गए। उन्होंने कहा कि 2,000 से ज्यादा जागरूकता शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें 20,000 सिलेंडर वितरित किए गए। शर्मा ने बताया कि उर्वरक संयंत्रों को प्राकृतिक गैस की सप्लाई बढ़ाकर 95 फीसदी कर दी गई है,जबकि सीजीडी कंपनियां प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को पूरी सप्लाई सुनिश्चित कर रही हैं। लगभग 3.97 लाख पीएनजी कनेक्शन चालू किए गए हैं, जबकि 4.3 लाख उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया है और 18,000 से ज्यादा एलपीजी कनेक्शन वापस किए गए हैं। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने बताया कि बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय मिशनों के साथ मिलकर स्थिति पर सक्रिय रूप से नजर रख रहा है।

सीएपीएफ बिल के विरोध में सैन्य कर्मियों के परिजनों का राजघाट पर प्रदर्शन...

नई दिल्ली,09 अप्रैल 2026। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के मौजूदा और पूर्व कर्मियों के परिजनों ने हाल ही में पारित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, (सीएपीएफ) 2026 के खिलाफ गुरुवार को राजघाट पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इस विधेयक को 'काला कानून' बताते हुए सरकार से इसे वापस लेने और संगठित समूह-ए सेवा और पुरानी पेंशन स्कीमलागू करने की मांग की। इस विधेयक पर विरोध सीएपीएफ अधिकारियों के करियर में ठहराव आने और राज्यों के अधिकारों में कटौती होने की वजह से हो रहा है। बिल में डीजी और स्पेशल डीजी की पोस्ट पर केवल आईपीएस अधिकारियों को डेपुटेशन पर लाने का प्रावधान है, जबकि बल के कैडर अधिकारियों के लिए स्पष्ट व्यवस्था नहीं की गई है। इसी तरह एडीजी और आईजी स्तर पर भी आईपीएस अधिकारियों को प्राथमिकता दी गई है। यह विधेयक संसद के दोनों सदनों में पारित किया गया था। इसे सबसे पहले 1 अप्रैल को राज्यसभा में ध्वनिमत से मंजूरी मिली और अगले दिन लोकसभा से भी पारित कर दिया गया। यह विधेयक सीआरपीएफ, बीएसएफ,सी.आई.एस.एफ.,आई.टी.बी.पी. और एसएसबी जैसे बलों से संबंधित है और इसके लागू होने के बाद सीएपीएफ से जुड़े सभी प्रशासनिक अधिकार केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास होंगे।

संपादकीय

सब मिलकर करें नारी शक्ति को सशक्त

हमारी नारी शक्ति लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है... उसने राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है...आज देश के हर सेक्टर में नारीशक्ति मिसाल बन रही है...

इक्कीसवीं सदी की विकास यात्रा में भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह अवसर समानता,समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के नए रूप में सामने आएगा। यह ऐसा समय है, जब संसद को एक ऐसा कदम बढ़ाना है,जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा। यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह तब आ रहा है,जब देश का वातावरण उत्सव,नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है।

आने वाले दिनों में असम में रोंगाली बिहू,ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति,पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी और केरलम में विषु पूरे उत्साह से मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं,तो पंजाब और उत्तर भारत में बैसाखी का। मैं कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन पर्व हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं। इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की है।

इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारत की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

हमारी नारी शक्ति लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उसने राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारीशक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलाजी,उद्यम,सशस्त्र बलों और खेलों के साथ हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा मौके मिलते हैं।

होम्योपैथी : सूक्ष्मता की शक्ति,स्वास्थ्य की व्यापकता

स्वास्थ्य में संतुलन का विज्ञान है होम्योपैथी का दर्शन...

योगेश कुमार गोयल
नजफ्फगढ़,नई दिल्ली

प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को 'होम्योपैथी' के जनक माने जाने वाले जर्मन मूल के चिकित्सक,महान विद्वान,शोधकर्ता, भाषाविद और उत्कृष्ट वैज्ञानिक डा. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन के जन्म दिवस के अवसर पर 'विश्व होम्योपैथी दिवस' मनाया जाता है। होम्योपैथी को आधार बनाने के सिद्धांत से चिकित्सा विज्ञान की एक पूरी प्रणाली को प्राप्त करने का श्रेय डा. हैनीमैन को ही जाता है। इसीलिए उनके जन्मदिवस को 'विश्व होम्योपैथी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस के आयोजन का उद्देश्य चिकित्सा की इस अलग प्रणाली के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति तक इसकी पहुंच की सफलता दर को आसानी से बेहतर बनाना है। 10 अप्रैल 1755 को जन्मे डा. हैनीमैन के पास एमडी की डिग्री थी लेकिन उन्होंने बाद में अनुवादक के रूप में कार्य करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी। उसके बाद उन्होंने अंग्रेजी, फ्रांसीसी,इतालवी, ग्रीक,लैटिन इत्यादि कई भाषाओं में चिकित्सा,वैज्ञानिक पाठ्यपुस्तकों को सीखा। होम्योपैथी एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है,जो औषधियों तथा उनके अनुप्रयोग पर आधारित है।

देश में प्रतिवर्ष केन्द्रीय आयुष मंत्रालय होम्योपैथी दिवस की थीम निर्धारित करता है और देशभर में यह विशेष दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व होम्योपैथी दिवस 'सतत स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी' विषय के साथ मनाया जा रहा है। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर इस वर्ष डा. हैनीमैन की 271वीं जयंती मनाई जा रही है। इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य भारत सहित दुनियाभर में होम्योपैथी औषधियों की सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभावकारिता को मजबूत करना, होम्योपैथी को आगे ले जाने की चुनौतियों और भविष्य की रणनीतियों को समझना,राष्ट्रीय नीतियों के विकास की रणनीति तैयार करना,अंतरपद्धति एवं अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग, उच्चस्तरीय गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा, प्रमाण आधारित चिकित्सा कार्य और विभिन्न देशों में होम्योपैथी को स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में समुचित स्थान दिलाकर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि वैकल्पिक और परम्परागत औषधियों को बढ़ावा दिए बगैर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में विश्व में होम्योपैथी का प्रमुख स्थान है।

अपनी कुछ अलग ही विशेषताओं के कारण होम्योपैथी आज विश्वभर में सौ से भी अधिक देशों में अपनाई जा रही है तथा भारत तो होम्योपैथी के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश है। दरअसल होम्योपैथी दवाओं को विभिन्न संक्रमित

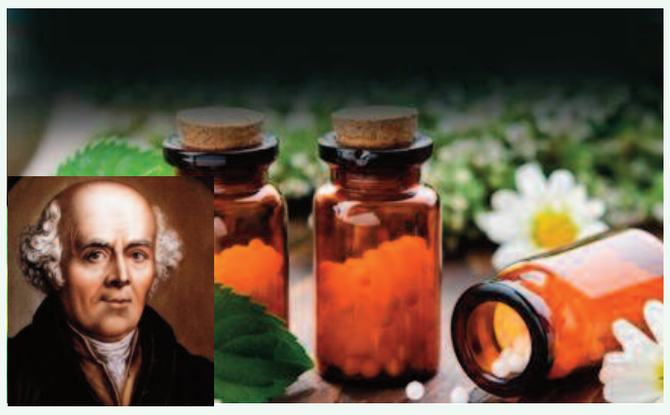

और गैर संक्रमित बीमारियों के अलावा बच्चों और महिलाओं की बीमारियों में भी विशेष रूप से प्रभावी माना जाता है। हालांकि होम्योपैथिक दवाओं के बारे में धारणा है कि इन दवाओं का असर रोगी पर धीरे-धीरे होता है लेकिन इस चिकित्सा प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह रोगों को जड़ से दूर करती है और इन दवाओं के साइड इफेक्ट भी नहीं के बराबर होते हैं। होम्योपैथी दवाएं प्रत्येक व्यक्ति पर अलग तरीके से काम करती है और अलग-अलग व्यक्तियों पर इनका असर भी अलग ही होता है। होम्योपैथी चिकित्सकों की मानें तो डायरिया, सर्दी-जुकाम,बुखार जैसी बीमारियों में होम्योपैथी दवाएं एलोपैथी दवाओं की ही भांति तीव्रता से काम करती हैं लेकिन अस्थमा, गठिया, त्वचा रोगों इत्यादि को ठीक करने में ये दवाएं काफी समय तो लेती हैं मगर इन रोगों को जड़ से खत्म कर देती हैं। होम्योपैथी के बारे में सरदार वल्लभभाई पटेल का कहना था कि होम्योपैथी को चमत्कार के रूप में माना जाता है।

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के अनुसार चिकित्सा का ही एक वैकल्पिक रूप है होम्योपैथी,जो 'समः समम् शमयति'अथवा 'समरूपता' दवा सिद्धांत पर आधारित है,जो दवाओं द्वारा रोगी का उपचार करने की ऐसी विधि है, जिसमें किसी स्वस्थ व्यक्ति में प्राकृतिक रोग का अनुरूपण करके समान लक्षण उत्पन्न किया जाता है, जिससे रोगग्रस्त व्यक्ति का उपचार किया जा सकता है। भारत में होम्योपैथी सबसे लोकप्रिय चिकित्सा प्रणालियों में से एक है। देशभर में 210 से ज्यादा होम्योपैथी अस्पताल, 8 हजार से ज्यादा होम्योपैथी डिस्पेंसरी और करीब तीन लाख होम्योपैथी प्रैक्टिशनर हैं। भारत में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है। दिखने में भले ही होम्योपैथी दवाएं एक जैसी लगती हैं किन्तु वास्तव में विश्वभर में होम्योपैथी की 4000 से भी ज्यादा तरह की दवाएं हैं। होम्योपैथी के संस्थापक माने जाने वाले सैमुअल हैनीमैन का कहना था कि इलाज का उच्चतम आदर्श सबसे भरोसेमंद और कम से कम हानिकारक तरीके से स्वास्थ्य की तेज,कोमल और स्थायी बहाली है।

चूंकि होम्योपैथी की अनेक दवाओं का प्रभाव रोगी के शरीर पर अपेक्षाकृत धीमी गति से प्रकट होता है जबकि एलोपैथी त्वरित राहत देने के लिए जानी जाती है,इसलिए लोकप्रियता के पैमाने पर दोनों पद्धतियों की तुलना अक्सर की जाती है। फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि होम्योपैथी आज भी विश्वभर में सबसे अधिक प्रचलित वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियों में शामिल है। इसका कारण केवल इसकी सुलभता या कम लागत नहीं बल्कि इसकी वह विशिष्ट उपचार पद्धति है,जो शरीर को स्वयं को संतुलित और स्वस्थ करने की दिशा में प्रेरित करती है। होम्योपैथिक उपचार रोग के लक्षणों को दबाने के बजाय उसके मूल कारण तक पहुंचने का प्रयास करता है,जिससे रोग की पुनरावृत्ति की संभावना भी कम हो जाती है। यह पद्धति व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पहलुओं को एक साथ ध्यान में रखती है,जिससे उपचार अधिक समग्र और प्रभावी बनता है। साथ ही, प्राकृतिक स्त्रोतों से निर्मित और अत्यंत सूक्ष्म मात्रा में दी जाने वाली दवाएं सामान्यतः दुष्प्रभाव रहित मानी जाती हैं तथा अन्य दवाओं के साथ प्रतिकूल प्रतिक्रिया की संभावना भी न्यूनतम होती है। यही कारण है कि आज के जटिल और दुष्प्रभाव-प्रधान चिकित्सा परिवेश में होम्योपैथी एक सुरक्षित,संतुलित और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है।

कमजोर वर्गों के लिए योजनाएँः विवाद का विषय या विकास का आधार?

कमजोर वर्गों के लिए बनाई गई विकास और कल्याणकारी योजनाओं को अक्सर 'भेदभावपूर्ण' कहकर आलोचना की जाती है...पहली नज़र में यह तर्क आकर्षक लग सकता है कि जब सरकार कुछ खास वर्गों को लक्षित करके लाभ देती है,तो यह बाकी लोगों के साथ अन्याय है...लेकिन जब इस बात को गहराई से समझा जाता है,तो स्पष्ट होता है कि यह सोच सामाजिक न्याय की मूल भावना को चुनौती देती है...भारत जैसे देश में,जहाँ लंबे समय से जाति, आर्थिक और सामाजिक असमानताएँ जड़ें जमाए हुए हैं,ऐसी योजनाएँ केवल विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता हैं, और साथ ही यह संविधान द्वारा निर्धारित जिम्मेदारी भी हैं...

डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

भारतीय समाज की ऐतिहासिक संरचना ने कुछ वर्गों को विशेषाधिकार दिए,जबकि कुछ वर्गों को निरंतर वंचना और भेदभाव का सामना करना पड़ा। सदियों से चली आ रही इस असमानता ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य कमजोर वर्गों को शिक्षा,स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सम्मान से दूर रखा। ऐसे में यदि राज्य केवल 'समान व्यवहार'की नीति अपनाता, तो यह असमानता और गहरी हो जाती। इसलिए संविधान निर्माताओं ने यह समझा कि समानता का वास्तविक अर्थ सबको समान स्थिति में लाना है,न कि केवल समान नियम लागू करना।

इसी संदर्भ में संविधान का अनुच्छेद 46 विशेष महत्व रखता है, जो राज्य को यह निर्देश देता है कि वह कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा दे तथा उन्हें सामाजिक अन्याय और शोषण से बचाए। यह प्रावधान यह स्पष्ट करता है कि लक्षित योजनाएँ किसी प्रकार का पक्षपात नहीं, बल्कि न्याय की दिशा में उठाया गया आवश्यक कदम हैं। यही 'सकारात्मक भेदभाव'या'अफरमेटिव एक्शन'कीअवधारणा है,जो ऐतिहासिक असमानताओं की भरपाई करने का प्रयास करती है।

इन योजनाओं का प्रभाव केवल सैद्धांतिक नहीं,बल्कि व्यावहारिक स्तर पर भी स्पष्ट दिखाई देता है। पिछले कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में हुई प्रगति इसका प्रमाण है। जहाँ पहले कमजोर वर्गों की साक्षरता दर बहुत कम थी, वहीं आज इसमें उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। छात्रवृत्ति योजनाओं,आवासीय विद्यालयों और विशेष शैक्षिक कार्यक्रमों ने लाखों बच्चों को स्कूल और उच्च शिक्षा तक पहुँचने का अवसर प्रदान किया है। इसी प्रकार,ग्रामीण रोजगार योजनाओं,स्वयं सहायता समूहों और कौशल विकास कार्यक्रमों ने आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया है।

महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी इन योजनाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को न केवल आय के साधन मिले हैं,बल्कि उन्होंने सामाजिक स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है। इससे परिवार और समाज दोनों में सकारात्मक परिवर्तन आया है। यह दर्शाता है कि लक्षित योजनाएँ केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं होतीं,बल्कि वे सामाजिक बदलाव का माध्यम भी बनती हैं।

हालाँकि, इन योजनाओं को लेकर विवाद भी कम नहीं हैं। आलोचकों का कहना है कि जब किसी विशेष वर्ग को प्राथमिकता दी जाती है, तो यह अन्य वर्गों के साथ अन्याय है। उदाहरण के लिए, कई बार आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग का व्यक्ति केवल इसलिए किसी योजना का लाभ नहीं ले पाता क्योंकि वह निर्धारित श्रेणी में नहीं आता। इससे 'रिवर्स डिस्क्रिमिनेशन' की भावना उत्पन्न होती है,जो सामाजिक असंतोष को जन्म दे सकती है।

यह तर्क पूरी तरह निराधार नहीं है, लेकिन यह अधूरा अवश्य है। यह इस

तथ्य को नजरअंदाज करता है कि सभी व्यक्ति समान परिस्थितियों में जन्म नहीं लेते। कुछ लोग ऐसे सामाजिक और आर्थिक परिवेश में पले-बढ़े होते हैं जहाँ उन्हें बेहतर शिक्षा,संसाधन और अवसर मिलते हैं,जबकि कुछ लोग अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में जीवन की शुरुआत करते हैं। ऐसे में, यदि दोनों को समान अवसर दिए जाएँ,तो परिणाम समान नहीं होंगे। इसलिए,समानता को वास्तविक रूप देने के लिए असमान लोगों के साथ अलग व्यवहार करना आवश्यक हो जाता है।

फिर भी,यह स्वीकार करना होगा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में कई कमियाँ हैं। भ्रष्टाचार, लाभ का असमान वितरण और पारदर्शिता की कमी जैसी समस्याएँ इनकी प्रभाव शीलता को प्रभावित करती हैं। कई बार देखा गया है कि जिन लोगों को इन योजनाओं की सबसे अधिक आवश्यकता होती है,वे इससे वंचित रह जाते हैं,जबकि अपेक्षाकृत सक्षम लोग इसका लाभ उठा लेते हैं। 'क्रीमी लेयर' की अवधारणा इसी समस्या को दूर करने के लिए लाई गई थी, लेकिन इसे सभी वर्गों में प्रभावी रूप से लागू नहीं किया गया है।

इसके अतिरिक्त,बदलते समय के साथ समाज की समस्याएँ भी बदल रही हैं। आज शहरी क्षेत्रों में गरीबी का स्वरूप अलग है,जहाँ विभिन्न जातियों के लोग समान आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में केवल जाति के आधार पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है। नीतियों को अधिक समावेशी और बहुआयामी बनाना होगा,जिसमें आर्थिक स्थिति, शिक्षा और क्षेत्रीय असमानताओं को भी ध्यान में रखा जाए।

सुधार के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है–पारदर्शिता और सटीकता। लाभार्थियों की पहचान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। आधार-आधारित सत्यापन,डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से योजनाओं को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा सकता है। इसके साथ ही, योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित निगरानी और स्वतंत्र ऑडिट भी आवश्यक है,ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को समय रहते रोका जा सके।

निजी क्षेत्र और नागरिक समाज की भागीदारी भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा,स्थानीय समुदायों को योजनाओं के क्रियान्वयन में शामिल करने से उनकी प्रभावशीलता और भी बढ़ सकती है, क्योंकि स्थानीय स्तर पर समस्याओं की समझ अधिक गहरी होती है।

अंततः,यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि कमजोर वर्गों के लिए बनाई गई योजनाएँ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं,बल्कि न्याय की स्थापना का माध्यम हैं। ये योजनाएँ उस ऐतिहासिक असमानता को दूर करने का प्रयास हैं, जिसने समाज के एक बड़े वर्ग को लंबे समय तक अवसरों से वंचित रखा। यदि इन्हें समाप्त कर दिया जाए,तो यह केवल असमानता को और गहरा करेगा तथा सामाजिक असंतुलन को बढ़ावा देगा।

अंबेडकर का सपना केवल राजनीतिक समानता तक सीमित नहीं था, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समानता भी उसका अभिन्न अंग था। 'एक व्यक्ति, एक वोट'के साथ 'एक व्यक्ति,एक अवसर' की अवधारणा को साकार करने के लिए इन योजनाओं का अस्तित्व अनिवार्य है। आवश्यकता इस बात की है कि हम इनके अस्तित्व पर प्रश्न उठाने के बजाय इनके क्रियान्वयन को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समावेशी बनाएँ।

जब भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तब यह याद रखना होगा कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग का सशक्तिकरण है। यदि समाज का सबसे कमजोर व्यक्ति भी आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम हो जाता है, तभी सच्चे अर्थों में विकास संभव है। इसलिए, कमजोर वर्गों के लिए योजनाएँ न तो विवाद का विषय हैं और न ही बोझ, बल्कि वे एक न्यायपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील भारत की आधारशिला हैं।

युद्ध में ट्रम्प की साख बुरी तरह गिरी

संजय गोस्वामी,
दुंदी बाजार,पटना

40 दिन बीत जाने के बाद आखिर ट्रम्प ने ईरान और अमेरिका के बीच दो सप्ताह के लिए युद्धविराम की घोषणा हो गई है। जिसमें पाकिस्तान का कहना है कि उसने दोनों देशों को सीजफायर के लिए राजी किया है। भारत का इस युद्ध से कोई लेना देना है ही नहीं तो पाकिस्तान और चीन की मध्यथा के लिए क्यों आगे आए। भारत ने हमेशा कहा है की भारत शान्ति और कूटनीति के माध्यम से इस युद्ध को समाप्त करने के पक्ष में है यानि भारत को कोई भूमिका को ना दिखा कर यह दिखाने की कोशिश करना की चिन और पाकिस्तान के मध्यस्थता की है जो भारत का दुश्मन है।मध्यस्थता दरअसल एक स्वैच्छिक,गोपनीय और अनौपचारिक प्रक्रिया है,जिसमें एक तटस्थ तीसरा पक्ष (मध्यस्थ) विवादित पक्षों के बीच आपसी सहमति से समाधान निकालने में सहायता करता है। यह अदालत के बाहर विवाद सुलझाने का एक त्वरित और सस्ता तरीका है,जो वैवाहिक, व्यावसायिक,और दीवानी मामलों के लिए प्रभावी है,और इसका मुख्य उद्देश्य आपसी संबंधों को सुधारना है।

,अंत में ईरान में ट्रम्प ने देखा की केवल इंफ्रास्ट्रक्चर पर बमबारी करने और निर्दोष लोगों को मारने से क्या समाधान निकलेगा? तबाही का दर्द केवल वही लोग समझ सकते हैं जिन्होंने इसे झेला है। ईरान की गलती अपने पड़ोसियों पर हमला करना था,जिसने उसके पड़ोसियों को इज़राइल से भी ज़्यादा उसे नष्ट करने के लिए उत्सुक कर दिया है। कुछ खाड़ी देशों का यह भी मानना है कि ईरान ने उनके तेल भंडारों पर कब्ज़ा कर लिया है,और ऐसे दावे हैं कि ईरान ने भूमिगत सुरंगों में पाइपलाइनों के माध्यम से क्षेत्र से तेल का डायवर्जन किया है। परिणामस्वरूप, सऊदी अरब और यूएई ने परमाणु हथियार हासिल करने या चल रहे संघर्ष में समर्थन प्राप्त करने की उम्मीद में पाकिस्तान के साथ गठबंधन किया है। हालांकि, जब पाकिस्तान युद्ध के दौरान उनकी सहायता करने में विफल रहा और ईरान ने शांति वार्ता में शामिल होने से इनकार कर दिया, तो सऊदी अरब अब अपने अरबों डॉलर की मांग कर रहा है। उसे ये धनराशि कहां से मिलेगी? संयुक्त राज्य अमेरिका ने उसे घेर लिया है,पाकिस्तान की स्थिति गृहयुद्ध जैसी है,और भारत इसका अधिकांश बोझ उठा रहा है। जम्मू-कश्मीर में आतंकी साजिशें रची जा रही हैं,लेकिन भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। भारत की शक्ति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वविदित है और देश बिना कारण के किसी पर हमला नहीं करता;हालांकि,उकसाए जाने पर वह निर्णायक जवाब देगा। प्रधानमंत्री का यही स्पष्ट संदेश है: आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चूंकि भारतीय सेना शक्तिशाली है और भारत परमाणु क्षमता से लैस है,इसलिए चीन फिलहाल सीधे टकराव से बचता रहा है। और भारत एक परमाणु संपन्न देश है इसलिए चीन आज झड़प तो करता है लेकिन मुँह की खानी पड़ती है। 140 करोड़ लोगों का देश भारत रक्षा के मामले में आत्मनिर्भर है,और मैं शत्रु का सामना करने के लिए भारतीय सैनिकों को सलाम करता हूँ। इस देश में मैं न तो इज़राइल,न अमेरिका और न ही ईरान के बारे में बोलूँगा,क्योंकि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता को ऐसे मामलों को संभालने का अधिकार है और वे वर्तमान में तेल और गैस संकट से निपटने के तरीकों के बारे में तरह-तरह की बकवास फैला रहे हैं। इस बीच,हमारे सैनिक सियाचिन की कड़ाके की ठंड में सीमा पर पहरा दे रहे हैं,और हमें उनका सम्मान करना चाहिए। मैं हमारे वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत की भी सराहना करता हूँ, जिन्होंने अटल जी और डॉ. कलाम के नेतृत्व में 1998 में परमाणु परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न किया,जिससे यह साबित हुआ कि हमारे देश की रक्षा क्षमताएँ किसी से कम नहीं हैं। भारत ने स्वदेशी पनडुब्बियों में अपना वर्चस्व स्थापित किया है,और हाल ही में आईएनएस तारागिरी ने हमारी नौसेना प्रणाली को और मजबूत किया है। हालाँकि, समस्या यह है कि युद्ध के समय, सेना की वीरता की प्रशंसा करने के बजाय,ध्यान इस बात पर केंद्रित हो जाता है कि कितने विमानों को मार गिराया गया या क्या कब्जा किया गया,जबकि अन्य जगहों पर ऐसा कोई ध्यान नहीं दिया जाता। ईरान ने अमेरिकी युद्ध में कई उन्नत विमानों को मार गिराया,लेकिन कहीं भी इसका विरोध नहीं हुआ। इसलिए, हमें अपने देश और मातृभूमि के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

हमारा देश सर्वोपरि है;हमें दूसरों के युद्धों से कोई लेना-देना नहीं है, युद्ध में भारत की कोई भूमिका नहीं है।

दुख-विनिमय केंद्र

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

चंदनपुर गांव के महान रणनीतिकार झपटल बाबू ने जब इस बार प्रधानी का पर्चा भरा, तो उन्होंने विकास के सारे पुराने मापदंडों को खूँटी पर टांग दिया। उनका चुनावी मुद्दा था–ग्लोबल वॉर्मिंग का ग्रामीण समाधान। झपटल बाबू का तर्क था कि गांव की असली समस्या सड़क या पानी नहीं,बल्कि इमोशनल ओवर लोड है। उन्होंने घोषणा की कि जीतते ही वे गांव में एक दुःख-विनिमय केंद्र खोलेंगे,जहाँ ग्रामीण अपने व्यक्तिगत दुःख (जैसे पत्नी का झगड़ा या भैंस का दूध न देना) जमा करके उसके बदले सरकारी सुख-कूपन प्राप्त कर सकेंगे। उनका दावा था कि वे गांव के सामूहिक रुदन को पाइपलाइन के जरिए शहर भेजेंगे, जहाँ अमीर लोग इसे नेचुरल डिप्रेशन थेरेपी के नाम पर खरीदेंगे और उस पैसे से गांव में एयर-कंडीशन्ड खलिहान बनवाए जाएंगे। गांव के लोग,जो अब तक अपने दुखों को मुफ्त में झेल रहे थे,अचानक इस आँसुओं के बिजनेस प्लान को सुनकर विकास के नशे में झूम उठे। प्रचार के अंतिम दौर में झपटल बाबू ने गांव के मुख्य चौराहे पर एक दुख-मापक यंत्र स्थापित किया। यह वास्तव में एक पुराना खराब हो चुका तराजू था,जिसे उन्होंने बिजली के रंगीन तारों से लपेट दिया था। उन्होंने गांव वालों को पट्टी पढ़ाई कि जो भी व्यक्ति उन्हें वोट देने का संकल्प लेकर इस तराजू के एक पलड़े पर हाथ रखेगा,उसका आधा मानसिक बोझ तुरंत डिजिटल क्लाउड में ट्रांसफर हो जाएगा। विपक्षी उम्मीदवार बुधई राम परेशान थे; वे खाद और बीज की सब्सिडी की बात कर रहे थे,जबकि जनता को अपने पुराने दुखों से मुक्ति का शॉर्टकट दिख रहा था। झपटल बाबू ने एक लड़के को ढोल के साथ खड़ा कर दिया था,जो हर व्यक्ति के दुख मापने के बाद ज़ोर से चिल्लाता था–बधाई हो,आपका दुःख अब सरकारी संपत्ति है! जनता को लगा कि अब रोने के भी दिन फिर गए हैं और वे अपनी झोली भरकर झपटल बाबू की जय-जयकार करने लगे। जिस दिन चुनाव का परिणाम आया और झपटल बाबू की ऐतिहासिक जीत हुई,पूरा गांव अपने सुख-कूपन लेने के लिए उनके दफ्तर पर उमड़ पड़ा। झपटल बाबू ने एक बड़ा सा संदूक खोला और उसमें से छोटे-छोटे प्याज के टुकड़े सबको बांटना शुरू कर दिया। जनता हक्की-बक्की रह गई, हुजूर,यह क्या है? हमें तो सुख चाहिए था! झपटल बाबू ने अपनी सुनहरी ऐनक ठीक की और कड़क आवाज़ में बोले–मूर्खों! सुख तो एक मानसिक भ्रम है। असली सुख तो इन प्याजों में है; इन्हें आंखों के पास ले जाओ और जी भर कर रोओ। जितना ज्यादा रोओगे,मेरा दुःख-निर्यात का धंधा उतना ही फलेगा-फूलेगा। और रही बात कूपन की,तो वह वोट ही था जो आपने मुझे दे दिया और उसके बदले मैंने अपना सुख सुनिश्चित कर लिया। जनता सन्न खड़ी अपनी आंखों से निकलते असली आँसुओं को देख रही थी,जबकि झपटल बाबू अपनी नई एसयूवी का सायरन बजाते हुए इमोशनल एक्सपोर्ट का नया टेंडर पास कराने शहर रवाना हो गए।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

■ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा जिले को दी करीब 282 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात....
■ करीब 254 करोड़ रुपए का हुआ विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व 28 करोड़ रुपए का लोकार्पण....

वृहद किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा अन्नदाताओं के पसीने का सम्मान करना ही हमारी जिम्मेदारी,ईब से इंद्रावती तक विकास कार्यों में कोई समझौता नहीं

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार को सरगुजा जिले के लुंड्रा विकासखण्ड मुख्यालय में आयोजित किसान सम्मेल में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास,भूमिपूजन कर बड़ी सौगात दिए। इस दौरान 281 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत के 51 कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास-भूमिपूजन किया, जिसमें 28 करोड़ 17 लाख रुपए की लागत के 33 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 253 करोड़ 77 लाख रुपए की लागत के 18 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं भूमिपूजन शामिल हैं।

ईब से इंद्रावती तक विकास कार्यों में कोई समझौता नहीं

हजारों की संख्या में उपस्थित किसानों, ग्रामीणों व जिलेवासियों को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि अन्नदाताओं के पसीने का सम्मान करना हमारी सरकार की जिम्मेदारी है,ईब से इंद्रावती तक विकास कार्यों में कोई समझौता नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा आप सबने हम पर विश्वास जताया है, ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम आखिरी पंक्ति के आखिरी व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचें,योजनाओं का लाभ उन्हें समय पर मिले।

दलहन-तिलहन,फल, सब्जियों की फसल लगाएं पानी का उपयोग कम करें

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी कर रही है, जो देश में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कृषक उन्नति योजना के तहत अंतर की राशि को भी होली पर्व के पहले एकमुश्त किसानों के खाते में 10 हजार 324 करोड़ रुपए डालने का काम किया है,जो कि यहाँ के किसानों भी लाभ हुआ है। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया वहीं किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड शुरू किया। उन्होंने किसानों से कहा कि धान के अलावा दलहन-तिलहन,फल,सब्जियों की फसल भी लगाएं ताकि पानी का उपयोग कम हो।

दहशत से मिली मुक्ति, विकास का नया अध्याय हुआ शुरु

उन्होंने कहा बस्तर में 40 बरसो से नक्सलियों के दहशत के साए में हमारे आदिवासी भाई-बहन गुजर रहे थे, लेकिन प्रधानमंत्री व गृहमंत्री तथा जवानों की दृढ़ इच्छाशक्ति की बदौलत 31 मार्च को पूरे प्रदेश से खासकर बस्तर नक्सलमुक्त हो गया।

वादा के साथ करते हैं जमीनी स्तर पर लागू

साय ने कहा कि हम सिर्फ वादा नहीं करते बल्कि जमीनी स्तर पर लागू करते हैं साय ने बताया कि मुख्यमंत्री के पद की शपथ लेने के बाद पहली केबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास बनाने की स्वीकृति दी और अब तक 8 लाख से अधिक आवास बन भी गए हैं, और लगातार हितग्राही गृह प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पीएम जनमन के तहत 32 हजार आवासों की स्वीकृति दी गई है, वहीं धरती ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 6600 गांवों में रहने वाले जनजाति भाई-बहनों के बुनियादी जरूरतो को पूरा करने के लिए विकास कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया पीएम जनमन के तहत विशेष पिछड़ी जन जातियों के स्वास्थ्य सुधार हेतु 57 एम्बुलेंस के साथ डॉक्टर, स्टॉफ की सुविधा भी दी जा रही। प्रदेश के 70 लाख से अधिक महिलाओं को महतारी वन्दन योजना के तहत अब तक 26वें किश्त दे चुके हैं, जिससे इन महिलाओं के जीवन आर्थिक रुप से सशक्त हुई है। उन्होंने बताया प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत नए सड़कों की स्वीकृति भी भारत सरकार से मिल चुकी है।

हरा सोना का बढ़ाया दाम

उन्होंने कहा कि हमारे आदिवासी अंचल में 'हरा सोना' के रूप में विख्यात तेंदूपत्ता की प्रति मानक बोरा 4000 रुपये से बढ़ाकर 5500 रुपये का पारिश्रमिक दिया जा रहा है, जिससे 12 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हो रहे हैं साथ ही चरण पादुका भी दिए जा रहे हैं।

लुंड्रा का बताया रोचक किस्सा

उन्होंने रोचक क़िस्सा बताते हुए कहा कि विगत 12-13 वर्षों के बाद बतौर मुख्यमंत्री के रूप में लुंड्रा आया हूँ,इसके पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह आए थे हुए। उन्होंने बताया कि लुंड्रा अंचल से आत्मीय सम्बन्ध रहा है,शादी के बाद उनके ससुर इसी क्षेत्र में पदस्थ होने की वजह से यहाँ आना-जाना होता था।

सांसद, विधायक के आग्रह का किया सम्मान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा सांसद चिंतामणि महराज तथा विधायक प्रबोध मिंज की मांग को स्वीकार करते हुए लुंड्रा के लिए चार घोषणाएं भी की,जिनमें लुंड्रा में स्टेडियम निर्माण,सन्ना-जशपुर-धौरपुर-सरगुजा मार्ग को बनारस तक जोड़ने की बात कही। उन्होंने लुंड्रा में कृषि उप मंडी तथा विश्राम भवन निर्माण करने की घोषणा भी की।

प्रमुख लोकार्पण कार्य

साथ ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जल संसाधन संभाग क्रमांक 1 के 1207.02 लाख रूपये की लागत के 04 कार्य विकासखंड लुण्ड्रा के ग्राम डुमकी मछली नदी में एनीकट एवं काजवे निर्माण हेतु 462 लाख रूपये,ग्राम असकला गागर नदी में एनीकट एवं काजवे निर्माण हेतु 367.76 लाख रूपये,लमगांव स्टॉपडेम कम काजवे का निर्माण कार्य 190.39 लाख रूपये,ग्राम बटवाही करील धोवा नाला में एनीकट निर्माण कार्य हेतु 186.87 लाख रूपये, मैनपाट में महतारी सदन भवन निर्माण नर्मदापुर हेतु 24.70 लाख रूपये। इस तरह 28 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया।

प्रमुख शिलान्यास व भूमिपूजन कार्य : मुख्यमंत्री साय ने करीब 254 करोड़ रुपए की लागत के 18 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं भूमिपूजन किया। इन कार्यों में लो.नि.वि.(भ/स) संभाग के 16641.99 लाख रुपए की लागत के 7 कार्य शामिल हैं। विकासखण्ड बतौली में बतौली बाजार रोड से खड़धवां पंचायत भवन तक सड़क निर्माण लम्बाई 2.50 कि.मी.(वास्तविक लंबाई 3.25 कि.मी.) (कार्य वर्ष 2024-25) कुल लागत राशि 405.81 लाख रुपए की लागत के विकास कार्यों भूमिपूजन किया गया। विधानसभा क्षेत्र अम्बिकापुर के विकासखण्ड अम्बिकापुर के लरंगसाय चौक से रामानुजगंज मार्ग में फोरलेन चौड़ीकरण का निर्माण कार्य लम्बाई 5 कि.मी. (वास्तविक लंबाई 6.38 कि.मी.) (कार्य वर्ष 2025-26) कुल लागत राशि 6909.62 लाख रुपए, छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत सरगुजा में संभाग स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम का निर्माण कार्य कुल लागत राशि 1461.98 लाख रुपए, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बिकापुर का कार्य कुल लागत राशि 4209.64 लाख रुपए के कार्यों का भूमिपूजन किया गया। विद्युत विभाग अंतर्गत 6587.00 लाख रुपए की लागत के कुल 8 कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, सरगुजा सांसद चिंतामणि महराज, लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह,उपाध्यक्ष देव नारायण यादव,स्थानीय जन प्रतिनिधि गण,संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा,आईजी,दीपक झा, कलेक्टर अजीत वसन्त, एसएसपी राजेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में किसान व जिलेवासी उपस्थित रहे।

शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया अनावरण

आज अपने सरगुजा प्रवास के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंबिकापुर के आकाशवाणी चौक पर अमर क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने महान स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान को याद किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जीवन साहस,त्याग और देशभक्ति की अद्भुत मिसाल है। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र सेवा की प्रेरणा दी है। उनके आदर्श आज भी युवाओं को देश के प्रति समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देते हैं। इस दौरान कृषि मंत्री रामविचार नेताम, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय,पूर्व नेता प्रतिपक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा नारायण चन्देल,लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह,अम्बिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत,सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा,आईजी सरगुजा दीपक झा, कलेक्टर अजीत वसंत,एसपी राजेश अग्रवाल,नगर निगम स्थानीय जनप्रतिनिधिगण सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंडित रविशंकर त्रिपाठी की प्रतिमा का किया अनावरण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा जिला प्रवास के दौरान अम्बिकापुर में पीडब्ल्यूडी ऑफिस के पास पंडित रविशंकर त्रिपाठी चौक में भटगांव विधानसभा के पूर्व विधायक पंडित रविशंकर त्रिपाठी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि वे हमारे प्रेरणास्रोत थे,उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के संगठन के कई पदों को सुशोभित किया। आज उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया, ये सिर्फ मूर्ति नहीं है बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी उनकी जिंदादिली और उनकी कर्मठता को याद दिलाते रहेगा। इस दौरान कृषि मंत्री रामविचार नेताम, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय,पूर्व नेता प्रतिपक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा नारायण चन्देल,लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह,अम्बिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत,सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी,सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा,आईजी सरगुजा दीपक झा,कलेक्टर अजीत वसंत,एसपी राजेश अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त डी एन कश्यप,स्थानीय जनप्रतिनिधिगण सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

शहीद चंद्रशेखर आजाद का नाम दूसरे स्थान पर होने पर आपत्ति,युवाओं में रोष की बात

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम को लेकर शहर में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। आमंत्रण पत्र में शहीद चंद्रशेखर आजाद का नाम दूसरे स्थान पर लिखे जाने को लेकर आपत्ति जताई गई है। इसे लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि स्वर्गीय पं. रवि त्रिपाठी एक बड़े राजनीतिक व्यक्तित्व थे और वे सम्मान के पात्र हैं,लेकिन देश की स्वतंत्रता के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले शहीद चंद्रशेखर आजाद का स्थान सर्वोच्च होना चाहिए। उनका नाम दूसरे क्रम में रखना शहीदों की गरिमा के विपरीत बताया गया है। नेताओं का कहना है कि शहीद चंद्रशेखर आजाद और सरदार भगत सिंह युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। ऐसे में कार्यक्रम की रूपरेखा और आमंत्रण पत्र की प्रस्तुति से युवाओं में नाराजगी है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि यह पूरा कार्यक्रम शहीदों के सम्मान के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह की व्यवस्था से यह संदेश जाता है कि स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के प्रति उचित सम्मान नहीं दिया जा रहा। इस मुद्दे को लेकर शहर में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। एक ओर भाजपा अपने कार्यक्रम को सम्मानजनक बता रही है,वहीं विपक्ष इसे मुद्दा बनाकर सरकार को घेरने में जुटा है।

सीतापुर में युवती की अश्लील फोटो वायरल,आरोपी पर केस दर्ज

-संवाददाता-
सीतापुर,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सीतापुर के थाना क्षेत्र से एक मामला सामने आया है, जिसमें एक युवती का अश्लील फोटो एडिट करके वाट्सएप पर 'वन टाइम' व्यू फीचर के तहत भेजकर वायरल कर दिया गया। पुलिस ने इस संबंध में शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। प्रेस रिलीज़ के अनुसार, आरोपी ने यह एडिटेड फोटो 7 अप्रैल को वाट्सएप के माध्यम से भेजी थी। जब अन्य लोगों से उसे इस फोटो के बारे में जानकारी मिली, तो युवती ने खुद को बेहद शर्मसार महसूस किया।

सीएम से पहले प्रतिमा अनावरण पर बवाल...युकां जिलाध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई के संकेत

आकाशवाणी चौक की घटना से गरमाई राजनीति भाजपा में आक्रोश,सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

शहर के आकाशवाणी चौक पर शहीद चंद्रशेखर आजाद तथा डीसी रोड पर भाजपा के दिवंगत नेता व पूर्व विधायक रविशंकर त्रिपाठी की प्रतिमाओं के अनावरण से पहले ही राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। युवक कांग्रेस (युकां) के जिलाध्यक्ष द्वारा आधी रात में शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा का अनावरण किए जाने से प्रशासन और राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया। नियत कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों दोनों प्रतिमाओं का अनावरण होना था, लेकिन इससे पहले बुधवार देर रात युकां जिलाध्यक्ष विकल झा अपने समर्थकों के साथ आकाशवाणी चौक पहुंचे और प्रतिमा का अनावरण कर माल्यार्पण किया। इस दौरान उन्होंने वीडियो बनवाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया।

साज-सज्जा को लेकर लगाया आरोप

युकां जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा रविशंकर त्रिपाठी की प्रतिमा स्थल को भव्य रूप दिया गया है, जबकि शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा के साथ उपेक्षा की गई। इसी के विरोध में उन्होंने यह कदम उठाया।

वीडियो वायरल, बढ़ा राजनीतिक तापमान

वीडियो वायरल होते ही शहर में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। मामला महापौर तक पहुंचा, जिन्होंने इस कृत्य को गंभीर बताते हुए एफआईआर दर्ज कराने की बात कही। वहीं भाजपा नेताओं ने इसे शहीद का अपमान करार दिया।

भाजपा ने जताया आक्रोश : भाजपा नेता संतोष दास ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में वर्षों तक प्रतिमा का अनावरण नहीं कराया, जबकि भाजपा द्वारा यह कार्य किए जाने पर इस तरह का व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण है।

फिर से ढंकी गई प्रतिमा : घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा नेता रात में मौके पर पहुंचे और प्रतिमा को दोबारा ढंक दिया। इसके बाद गुरुवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री ने विधिवत अनावरण किया।

कमिश्नर बोले...होगी कार्रवाई

नगर निगम कमिश्नर डीएन कश्यप ने कहा कि वर्ष 2013 से प्रतिमा स्थापित थी, लेकिन विवाद के कारण अनावरण नहीं हो सका था। अब जब कार्यक्रम तय हुआ, उससे पहले इस प्रकार का कृत्य शासकीय कार्य में बाधा डालने जैसा है। संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संकल्प 2026-कृषि नवाचार और किसान सशक्तिकरण पर जोर,सरगवां में विशाल किसान महोत्सव संपन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

प्रगतिशील कृषक ताराचंद गुप्ता ने कृषि क्षेत्र में नवाचार और किसान सशक्तिकरण के लिए वर्ष 2005 में प्रारंभ हुए मंच 'संकल्प' की भूमिका पर प्रकाश डाला। यह चर्चा उन्नत कृषि,उद्यानिकी में अग्रणी करजी फार्म,फसल प्रदर्शन एवं किसान महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुई,

जिसका आयोजन सरगवां में 10, 11 एवं 12 अप्रैल को किया गया था। गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि 'संकल्प' 2026 तक एक सशक्त मंच के रूप में विकसित हो चुका है, जिसने कृषि नवाचार, तकनीक और किसान सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। यह मंच न केवल किसानों को नई दिशा प्रदान कर रहा है,बल्कि देश की कृषि व्यवस्था को भी मजबूत बना रहा है। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य कृषि को लाभकारी बनाना,छोटे और सीमांत किसानों को खेती के प्रति जागरूक कर उनकी आय बढ़ाना है। साथ ही,आधुनिक कृषि तकनीक का प्रसार और नवीनतम नवाचारों को आदिवासी अंचल के गांव-गांव तक पहुंचाना भी इसका लक्ष्य है। इस माध्यम से किसानों को प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से प्रेरित किया जाएगा और युवा किसानों को कृषि क्षेत्र में करियर बनाने का अवसर मिलेगा। कृषि-उद्योग और प्रबंधन एवं रिसर्च संस्थानों के बीच समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया।

26 हजार किसान होंगे शामिल : इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के लिए 23,500 से अधिक किसानों का पंजीयन हुआ था। 10 से 12 अप्रैल तक चले इस आयोजन में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 24 राज्यों और नेपाल के किसानों सहित कुल 26,000 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। लगभग 15 एकड़ क्षेत्र में 106 कंपनियों द्वारा उत्पाद, नवाचारों और कृषि से जुड़े आधुनिक उपकरणों एवं तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

CMYK

गैस एजेंसी की मनमानी,प्राइवेट खाते में वसूली,सब्सिडी से वंचित ग्रामीण

1300 वसूली का खेल! गैस एजेंसी पर गबन और धमकी के आरोप...

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा,गैस एजेंसी संचालक पर शोषण के गंभीर आरोप

- सब्सिडी में गड़बड़ी और अवैध वसूली, गैस एजेंसी के खिलाफ शिकायत
- "जो उखाड़ना है उखाड़ लो..." गैस एजेंसी संचालक पर धमकी के आरोप
- 60 किमी दूर गांवों में मनमानी! गैस एजेंसी पर वसूली और गबन का आरोप
- गैस सिलेंडर के नाम पर लूट ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार...

क्या है पूरा मामला

ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर को सौंपे गए शिकायती पत्र में बताया गया है कि गैस एजेंसी द्वारा लंबे समय से मनमानी की जा रही है, खासतौर पर दूरस्थ ग्राम देवाडांड, जो एजेंसी से लगभग 60 किलोमीटर दूर है, वहां के उपभोक्ताओं को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है, दिनांक 04 अप्रैल 2026 को सौंपे गए आवेदन में इन सभी आरोपों का विस्तृत उल्लेख किया गया है।

1300 तक वसूली, नियमों की अनदेखी

शिकायतकर्ता पवन साहू सहित अन्य ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि प्रति गैस सिलेंडर 1300 तक की वसूली की जा रही है, जिसमें गाड़ी भाड़ा भी शामिल बताया जाता है, ग्रामीणों का कहना है कि यह राशि निर्धारित दर से अधिक है और इसे अवैध रूप से लिया जा रहा है।

निजी खातों में भुगतान का दबाव

सबसे गंभीर आरोप यह है कि उपभोक्ताओं को एजेंसी के आधिकारिक खाते में भुगतान करने से रोका जाता है, यदि कोई ऑनलाइन भुगतान करना चाहता है, तो उसे निजी (प्राइवेट) बैंक खातों में पैसा जमा करने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे लेन-देन की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।

-रवि सिंह-

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी),09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले के नागपुर क्षेत्र में संचालित महामाया गैस एजेंसी (ग्रामीण) एक बार फिर विवादों में घिर गई है,एजेंसी संचालक उदल जायसवाल के खिलाफ ग्रामीणों ने अवैध वसूली, गैस सब्सिडी में गड़बड़ी,ऑनलाइन एंट्री में लापरवाही और अभद्र व्यवहार जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए कलेक्टर से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है, यह मामला अब केवल उपभोक्ता असुविधा तक सीमित नहीं रहा,बल्कि ग्रामीणों के अधिकारों और सरकारी योजनाओं के दुरुपयोग से जुड़ा बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। महामाया गैस एजेंसी से जुड़ा यह मामला ग्रामीण उपभोक्ताओं के शोषण और व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है, अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन इस शिकायत को कितनी गंभीरता से लेकर दोषियों पर क्या कार्रवाई करता है,ताकि आम जनता का विश्वास बना रह सके।

ऑनलाइन एंट्री नहीं, सब्सिडी से वंचित ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि गैस लेने के बावजूद उनके उपभोक्ता कार्ड में ऑनलाइन एंट्री नहीं की जाती, इसका सीधा असर यह हो रहा है कि उन्हें मिलने वाली सरकारी गैस सब्सिडी का लाभ नहीं मिल पा रहा,शिकायत में यह भी उल्लेख है कि कई उपभोक्ताओं के कार्ड लंबे समय से अपडेट नहीं किए गए,जिससे आर्थिक नुकसान हो रहा है।

स्टेटमेंट मांगने पर गाली-गलौज और धमकी

ग्रामीणों के अनुसार, जब उन्होंने अपने उपभोक्ता कार्ड (72948037-रानू साहू, 83725264-कुंती बाई) का ऑनलाइन स्टेटमेंट मांगा, तो एजेंसी संचालक ने देने से इनकार कर दिया,आरोप है कि इस दौरान गाली-गलौज की गई और धमकी दी गई कि जो उखाड़ना है उखाड़ लो, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता,मैं मंत्री का आदमी हूं।

दूरी का फायदा उठाकर मनमानी

ग्राम देवाडांड जैसे दूरस्थ क्षेत्रों के उपभोक्ताओं का कहना है कि एजेंसी की दूरी अधिक होने के कारण वे नियमित निगरानी नहीं कर पाते, जिसका फायदा उठाकर संचालक मनमानी कर रहा है।

ग्रामीणों में आक्रोश, कार्रवाई की मांग तेज-लगातार हो रही परेशानियों से नाराज ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, अवैध वसूली की जांच और वापसी कराई जाए,दोषी संचालक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, उपभोक्ताओं को उनकी सब्सिडी का लाभ सुनिश्चित कराया जाए।

प्रशासन की भूमिका पर नजर

इस पूरे मामले में अब प्रशासन की कार्रवाई पर सबकी नजरें टिकी हैं, यदि आरोप सही पाए जाते हैं,तो यह मामला न केवल एक एजेंसी की लापरवाही, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी सवाल खड़े करेगा।

कोयला चोरी कर खदान से निकल रहा युवक नाले में फंसा,मौत

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

खदान से बोरी में चोरी का कोयला भरकर निकला युवक नाले में गिरकर दलदल में धंस गया, परिजन उसे एक निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी मौत हो गई थी। जानकारी के मुताबिक उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम देवगढ़ का मनोज कुमार पिता शिवराम 35 वर्ष, आठ अप्रैल को सुबह करीब 9 बजे बाइक से केतकी खदान में कोयला लेने के लिए गया था। दिन में करीब 11 बजे बोरा में कोयले को भरने के बाद कंधे में बोरी रखकर निकला था, इसी दौरान खदान के पास नाला का रूप लिए खाई में गिरने के बाद दलदल में धंसे रह गया। बेहोशी की हालत में नाला में पड़े मनोज पर राजेश नामक एक अन्य युवक की नजर पड़ी और वह परिवार के सदस्यों को बताया कि चाचा नाले में गिर गया है। स्वजन उसे नाला से निकालकर होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस ने मृतक के स्वजन का बयान दर्ज करके शव का पोस्टमार्टम कराया है।

नकदी व जेवरात चोरी,रिपोर्ट दर्ज

-संवाददाता-

सीतापुर,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हुई चोरी की दो घटनाओं में चोरों ने 11 हजार रुपये नकद, ज्वेलरी, दस्तावेजों सहित लगभग एक लाख रुपये से अधिक का सामान चोरी कर लिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। प्रतापगढ़ निवासी संध्या कश्यप पति मनोज कश्यप 35 वर्ष ने पुलिस को बताया है कि 6 अप्रैल को सुबह 9 बजे से 11 बजे के बीच घर में कोई नहीं था, इसी दौरान ताला तोड़कर किसी ने घर में रखे 6 हजार रुपये, सोने एवं चांदी का जेवर, दस्तावेजों को चोरी कर लिया। दूसरी घटना में ग्राम आमाटोली ज्ञानस्थली स्कूल के पास रहकर घर में ही किराना दुकान का संचालन करने वाले सत्यनारायण गुप्ता के यहां से चोरों ने गल्ला में रखे 5000 रुपये नकद,किराना सामान और घर के पीछे खड़े पिकअप वाहन का बैटरी पार कर दिया। 6 अप्रैल को रात 9 बजे दुकान बंद करके संचालक ने चैनल दरवाजे को बंद करके घर चले गया था। 7 अप्रैल को सुबह 7 बजे घर अंदर से दुकान पहुंचा तो चैनल दरवाजा खिसकाया हुआ था। दुकान के अंदर जाने पर पूरा सामान बिखरा हुआ मिला। दुकान में लगे कैमरा को चेक करने पर अज्ञात चोर के द्वारा रात्रि लगभग 2.20 बजे दुकान में घुसकर चोरी करने का पता चला। दोनों मामले में पुलिस अग्रिम जांच कार्रवाई करते हुए चोरों के तलाश में लगी है।

मवेशी चराने गए युवक की मौत

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

मवेशी को पानी पिलाने के लिए नदी की ओर गया किशोर बेहोश हो गया,इसकी जानकारी मिलने पर परिजन उसे खेत से उठाकर घर लाए और अंबिकापुर लेकर आ रहे थे,लेकिन उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी का समीर तिग्गा पिता सुलेमान तिग्गा 16 वर्ष,को बचपन से ही पेट में काफी दर्द रहता था। स्वजन उसका उपचार घर में ही करा रहे थे। दवा खिलाने के बाद पेट दर्द ठीक हो जाता था। आठ अप्रैल को समीर अपने मवेशियों को लेकर पानी पिलाने के लिए नदी की ओर गया था,इसी दौरान गन्ना के खेत में गिरकर बेहोश हो गया। गांव के लोगों की बालक पर नजर पड़ी और वे इसकी जानकारी पिता को दिए। खेत में जब समीर के पिता सहित अन्य लोग पहुंचे,तो वह बेसुध पड़ा था। आनन-फानन में वे उसे निजी वाहन से होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे,यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एक पिकअप वाहन में अवैध धान परिवहन करते आरोपी हुआ गिरफ्तार

-संवाददाता-

सनावल,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के सनावल थाना क्षेत्र में एक पिकअप अवैध रूप से धान परिवहन कर रहे आरोप को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक रिमांड पर। जानकारी के अनुसार दिनांक 26.12.2025 को रात्रि लगभग 08:00 बजे राजस्व तथा पुलिस टीम सयुक्त रूप से अवैध धान परिवाहन को रोकने के लिए गस्त पर रवाना हुआ थे, उसी दौरान एक पिकअप वाहन कर्मीक यूपी64सीटी-4218,आते दिखा जिसे रोकने की कोशिस करने पर चालक द्वारा गाड़ी को भगाने लगा,जिसे पीछा कर दौड़ाकर पकड़ा गया वाहन चालक से पुछताछ करने पर बताया कि वह कुलूडीह निवासी श्याम सुन्दर गुप्ता के घर में अवैध धान को अनलोड करना बताने पर टीम के द्वारा श्याम सुन्दर गुप्ता के घर में तलाशी

लिया गया तलासी दौरान किसानो का अत्यधिक मात्रा में अवैध दस्तावेज प्राप्त होने पर खाद्य अधिकारी द्वारा थाना सनावल में तत्संबंध में आवेदन देने पर उपरोक्त धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया विवेचना दौरान पाया गया कि श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा उ0प्र0 से धान कम कीमत पर लाकर छ0ग0 धान खरीदी केन्द्रो में अलग अलग किसान के खातों से धान बेचता था श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा किसानो के ऋण पुस्तिका,बैंक खाता,चेक बुक आदि महत्वपूर्ण दस्तावेजो को अपने कब्जे में रखकर सीमावर्ती प्रांत से धान लाकर छत्तीसगढ के मंडी में अलग अलग किसान के खातो में धान की पूर्ति कर छत्तीसगढ शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाते थे आरोपी श्याम सुन्दर गुप्ता एवं शिवम गुप्ता तथा मंडी ऑपरेटर राजेश कुमार सिह एवं पटवारी संजय सोनी को धान हेरी फेरी करने में सहयोग करने के अपराध सबुत पाये जाने पर पूर्व में आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाड पर भेजा गया है। प्रकरण के मुख्य आरोपी श्यामसुन्दर गुप्ता का वाटसप चेक करने पर अमीत कुमार गुप्ता के साथ मिलकर दिगर राज्य उत्तरप्रदेश से धान लाकर अलग अलग किसानों के खातो में धान बेचते थे जो घटना दिनोंक से फरार चल रहा था। दिनांक 08.04.2026 को मुखबिर से सूचना मिला आरोपी अमीत कुमार गुप्ता मिनवाखाण्ड रास्ते से रामचन्द्रपुर जिला सहकारी बैंक की ओर जा रहा है कि सुचना पर फरार आरोपी अमित गुप्ता को ग्राम मिनवाखाण्ड के पास घेराबंदी कर रोकने का प्रयास किया गया आरोपी अमित कुमार गुप्ता पुलिस को देख कर अपना मोटर सायकल को मोडकर भागने का प्रयास कर रहा था जिसे हिरासत में लेकर थाना लाकर पुछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से सहकारी बैंक का चेक बुक 11 नग, विड्राल पर्ची 08 नग, तथा खाली पर्ची 15 नग, एटीएम कार्ड बंद लिफाफा 02 नग, एचडीएफसी बैंक का चेक बुक 4 नग, जिला सहकारी बैंक का चेकबुक 04 नग, सामान्य हिसाब किताब पर्ची 03 नग, एक नग मोबाईल, एक नग मोटरसायकल को गवाहो के समक्ष जप्त किया गया आरोपी की विरुद्ध अपराध सबुत पाये जाने से विधिवत गिरफतार कर न्यायियक रिमाड पर भेजा गया है।

स्थापना दिवस पर महिला मोर्चा का जनसंपर्क महाअभियान,पूरे कोरिया जिले में दिखा उत्साह

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा जिला कोरिया द्वारा पूरे जिले में जनसंपर्क एवं जागरूकता का व्यापक अभियान चलाया गया। जिला अध्यक्ष रीता यादव के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में उत्साह, अनुशासन और संगठन की मजबूत एकजुटता देखने को मिली।

दीपोत्सव और रंगोली से सजा स्थापना दिवस-भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर जिला कार्यालय में दीपोत्सव एवं रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया, महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने रंग-बिरंगी रंगोली और आकर्षक सजावट के माध्यम से संगठन के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित किया।

घर-घर रंगोली और सांस्कृतिक संदेश-5 और 6

अप्रैल को महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने घरों के बाहर सुंदर रंगोली सजाकर भाजपा की संस्कृति, परंपरा और संगठनात्मक मूल्यों का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। जिला अध्यक्ष रीता यादव स्वयं इस कार्यक्रम में सक्रिय रहीं।

झंडा लगाकर चलाया जनसंपर्क अभियान-6 और 7 अप्रैल को महिला मोर्चा की टीम ने मोहल्लों,वार्डों और ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर भाजपा का ध्वज लगाया,इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आम लोगों से संवाद कर स्थापना दिवस का महत्व बताया और केंद्र व राज्य सरकार की महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

बूथ स्तर पर संगठन विस्तार और जागरूकता-चयनित बूथों में महिला मोर्चा की टीम ने घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया और पार्टी की विचारधारा,उपलब्धियों तथा संगठनात्मक संरचना पर चर्चा की। इस अभियान से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलने की बात कही गई।

महिला मोर्चा: संगठन की मजबूत कड़ी-जिलाध्यक्ष रीता यादव ने कहा कि भाजपा संस्कृति, सेवा और संगठन के तीन मूल सिद्धांतों पर कार्य करती है,जिसमें महिला मोर्चा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाने और संगठन को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी-कार्यक्रम में जिला महामंत्री पुष्पलता राजवाड़े,ममता कुशवाहा, जिला मंत्री आंचल सिंह परमार, ममता साहू, संगीता कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दिशा दर्शन भ्रमण योजना के अंतर्गत 80 महिला को भेजा गया विकास भारती संस्थान,कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

-संवाददाता-

बलरामपुर,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका संवर्धन की दिशा में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दिशा दर्शन भ्रमण योजना के अंतर्गत जिले के महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ी 80 महिलाओं को प्रशिक्षण एवं अध्ययन भ्रमण हेतु विकास भारती संस्थान, बिशुनपुर (जिला गुमला, झारखंड) भेजा गया है। संयुक्त जिला कार्यालय परिसर से कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने हरी झंडी दिखाकर 2 बस को रवाना किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री आर.एन. पाण्डेय,श्री चेतन बोरघरिया,

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमाकांत ध्रुवे सहित महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिशा दर्शन भ्रमण योजना महिलाओं के लिए सीखने,समझने एवं आगे बढ़ने का सशक्त माध्यम है। इस भ्रमण से महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी तथा आजीविका के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने सभी को प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ लेने एवं अपने अनुभवों को अन्य समूहों के साथ साझा करने हेतु प्रेरित किया। महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने जानकारी दी है कि अध्ययन भ्रमण से महिलाओं को विकास भारती संस्थान में सिलाई-कढ़ाई,मधुमक्खी पालन,मशरूम उत्पादन,अगरबत्ती निर्माण,जैविक खेती, पोषण आधारित उद्यम सहित विभिन्न आजीविका गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन करने का अवसर मिलेगा एवं इस संबंध में प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इससे महिलाएं कार्यप्रणाली को समझते हुए अपने समूहों में नवाचार एवं आयवृद्धि के नए अवसर विकसित कर सकेंगी। गौरतलब है कि दिशा दर्शन भ्रमण योजना अंतर्गत महिलाओं को 09 से 11 अप्रैल 2026 तक भ्रमण कराया जाएगा।

चोरी की मोटरसाइकिल बरामद,भटगांव पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-

सूरजपुर,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

भटगांव पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विश्वास मजबूत हुआ है।

दुकान के सामने से हुई थी बाइक चोरी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम चुनगढ़ी निवासी अनुज एक्का ने 7 अप्रैल 2026 को थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 4 अप्रैल की शाम वह अपनी हीरो एचएफ डिलक्स (सीजी15 सीजे9379) मोटरसाइकिल से वर्ल्ड मोबाइल दुकान गया था, दुकान के सामने बाइक खड़ी कर अंदर गया,लेकिन वापस आने पर बाइक गायब मिली, इस पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 303(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर से मिला सुराग

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले,इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की मोटरसाइकिल पर सागर चौधरी और आकाश साय घूम रहे हैं।

दबिश देकर दोनों आरोपी गिरफ्तार

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दबिश देकर दोनों संदिग्धों को पकड़ा, पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने मिलकर बाइक चोरी की थी,बताया गया कि दोनों आरोपी आकाश साय की हीरो स्प्लेंडर बाइक से आए थे और मौके से दूसरी बाइक चोरी कर ले गए।

दोनों बाइक जब्त,आरोपियों पर कार्रवाई

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल (कीमत लगभग ?60,000),चोरी में प्रयुक्त दूसरी मोटरसाइकिल, दोनों को जब्त कर लिया है, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान, सागर चौधरी (22 वर्ष), निवासी बाजारपारा भटगांव, आकाश साय (22 वर्ष), निवासी भटगांव।

थाना प्रभारी और टीम की अहम भूमिका

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी मनोज सिंह एवं उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही,जिन्होंने तत्परता से कार्य करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया।

बेलसोता नाला बना संकट का पर्याय,15 दिन की मोहलत, फिर एनएच होगा जाम

-संवाददाता-
सूरजपुर,09 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

एक पुल का टूटना केवल आवागमन बाधित होना नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की जीवन व्यवस्था का ठहर जाना होता है, इन दिनों सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत कैलाशपुर और राजापुर के बीच बहने वाली घुनघुट्टा नदी के बेलसोता नाला पर टूटी पुलिया इसी कड़वी सच्चाई को बयां कर रही है।

बेलसोता नाला की टूटी पुलिया अब सिर्फ एक संरचनात्मक समस्या नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और जनजीवन पर मंडराता बड़ा संकट बन चुकी है,यदि समय रहते समाधान नहीं निकला, तो यह मुद्दा जल्द ही बड़े जन आंदोलन का रूप ले सकता है।बताया जाता है कि वर्ष 2003 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इस पुल का निर्माण हुआ था,यह पुल क्षेत्र के दर्जनों गांवों के लिए विकास की मुख्य कड़ी था, लेकिन 23 जुलाई 2025 को हुई भारी बारिश ने इस जीवनरेखा को तोड़ दिया और ग्रामीणों का शहर से संपर्क अचानक टूट गया।

जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की रही मौजूदगी

इस दौरान किसान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष विमलेश दत्त तिवारी, जिला महामंत्री संजय डोसी,वेद प्रकाश मिश्र,लिली राजवाड़े,जरीना सुल्ताना,अविनाश साहू, निर्मल साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

बारिश में 'टापू' बन जाते हैं गांव

गर्मी के मौसम में जब नदी सूख जाती है, तब ग्रामीण अस्थायी रास्तों के सहारे किसी तरह आवागमन कर लेते हैं,लेकिन जैसे ही बारिश शुरू होती है,तेज बहाव इन रास्तों को बहा ले जाता है, इससे करीब एक दर्जन गांव पूरी तरह अलग-थलग पड़ जाते हैं और हालात टापू जैसे बन जाते हैं।

बच्चों की पढ़ाई पर सबसे बड़ा असर

इस पुल के टूटने का सबसे गंभीर प्रभाव शिक्षा पर पड़ा है। कैलाशपुर हाई स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राएं बारिश के दिनों में स्कूल नहीं जा पाते,कई बच्चे पढ़ाई छोड़ने की कगार पर पहुंच चुके हैं, जिससे भविष्य पर भी संकट मंडरा रहा है।

स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जिंदगी भी प्रभावित

पुल के अभाव में ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं,बाजार और अन्य आवश्यक सुविधाओं तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है,आपातकालीन स्थिति में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना भी चुनौती बन गया है।

ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन,15 दिन की चेतावनी

स्थानीय समस्याओं को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशि सिंह की उपस्थिति में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा को ज्ञापन सौंपा, इसमें जल्द से जल्द नए पुल निर्माण की मांग की गई है,ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर कोई ठोस पहल नहीं हुई,तो वे ग्राम पंचायत तेलईकछार के केनापारा में एनएच-43 को जाम कर उग्र आंदोलन करेंगे।

भीषण गर्मी में गौसेवा का संकल्प,125 पानी नाद की व्यवस्था

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,09 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

भीषण गर्मी के मद्देनज़र बैकुंठपुर क्षेत्र में बेजुबान गौवंश के लिए पानी की व्यवस्था को लेकर एक सराहनीय पहल सामने आई है, हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जनसहयोग से 125 नग सीमेंट के पानी नाद की व्यवस्था कर गौसेवा का कार्य किया गया है, इस पहल का उद्देश्य गर्मी में सूखते नाले-तालाब के कारण पानी के लिए भटक रहे गौवंश को राहत पहुंचाना है।बैकुंठपुर में जनसहयोग से की गई यह पहल न केवल गौसेवा का उदाहरण है,बल्कि समाज में मानवीय संवेदनाओं और सहयोग की भावना को भी मजबूत करती है। गर्मी के इस मौसम में ऐसे प्रयास बेजुबान पशुओं के लिए जीवनदायिनी साबित हो रहे हैं।

दानदाताओं का श्रीराम गमछा पहनाकर सम्मान

इस सेवा कार्य में सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं का श्रीराम जी का गमछा पहनाकर सम्मान किया गया,आयोजकों ने इसे समाज में सेवा और सहयोग की भावना का प्रतीक बताया। इस अभियान में क्षेत्र के कई समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया,शशांक जिज्ञासी (मोनी भाई) -50 नाद, आशीष डबरे 5 नाद,ज्ञानेंद्र शुक्ला (जानी भाई) 10 नाद,विपिन मिश्रा 10 नाद,अनमोल पाल (सानू भाई) 10 नाद, रजनीश गुप्ता 10 नाद, सत्येंद्र सोनी 10 नाद, अरशद खान 10 नाद,प्रज्वल जायसवाल (मिनी भाई) 5 नाद, देवांशु शर्मा 5 नाद, कुल 125 पानी नाद की व्यवस्था की गई, जिसकी अनुमानित लागत करीब ?50,000 बताई गई है।

निःशुल्क वितरण, जिम्मेदारी निभाने की अपील

आयोजकों ने बताया कि यह पानी नाद इच्छुक लोगों को निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे, हालांकि उन्होंने अपील की है कि नाद लेने के बाद उसमें नियमित रूप से पानी भरा जाए,ताकि यह प्रयास सार्थक हो सके और बेजुबान पशुओं को वास्तविक लाभ मिल सके। संपर्क कर ले सकते हैं नाद-इच्छुक व्यक्ति निम्न नंबरों पर संपर्क कर पानी नाद प्राप्त कर सकते हैं:8770718237, 9977667123,7987883924, 8770648484

मनेंद्रगढ़ में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की नई शाखा का शुभारंभ,ग्राहकों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,09 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

शहर के झगराखाण्ड रोड स्थित छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की नई शाखा का 9 अप्रैल को विधिवत शुभारंभ किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनरल मैनेजर आभाष कुमार सतपथी ने फीता काटकर नए भवन का उद्घाटन किया,इस अवसर पर पूरे परिसर में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला,छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की नई शाखा का शुभारंभ मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो न केवल बैंकिंग सुविधाओं को सुलभ बनाएगा,बल्कि स्थानीय व्यापार और रोजगार को भी बढ़ावा देगा। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ की गई,अतिथियों द्वारा माता सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया,इसके पश्चात पट्टिका का अनावरण कर नई शाखा को औपचारिक रूप से शुरू किया गया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक अमित कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (परिचालन) क्षेत्रीय कार्यालय बैकुंठपुर सवरिम प्रभात, शाखा प्रबंधक विपिन किशोर मिंज सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, कार्यक्रम में नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी रघुनाथ पोद्दार, सोहन पोद्दार,रिंकेश खन्ना,अवधेश तिवारी,वेंकटेश सिंह, एस. ताम्रकार सहित बड़ी संख्या में नागरिकों और खाताधारकों ने भाग लिया।

ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों पर फोकस- मुख्य अतिथि जनरल मैनेजर आभाष कुमार सतपथी ने कहा कि बैंक का उद्देश्य ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बेहतर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना है। नई शाखा के माध्यम से ग्राहकों को आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं,डिजिटल सेवाएं और त्वरित ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

व्यापारियों को मिलेगा लाभ-स्थानीय व्यापारियों ने नई शाखा खुलने पर खुशी जताई और कहा कि इससे क्षेत्र की व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी, अब बैंकिंग सेवाएं एक ही स्थान पर मिलने से समय की बचत होगी और लेन-देन अधिक सरल व सुरक्षित बनेगा।

छोटे नोट और सिक्कों की मांग उठी-व्यापारी रघुनाथ पोद्दार ने कार्यक्रम के दौरान छोटे नोटों और सिक्कों की समस्या का मुद्दा उठाया, उन्होंने बैंक प्रबंधन से मांग की कि व्यापारियों को पर्याप्त मात्रा में छोटे नोट और सिक्के उपलब्ध कराए जाएं,जिससे दैनिक लेन-देन में सुविधा हो।

आभार के साथ कार्यक्रम का समापन- कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया, नई शाखा के शुभारंभ से क्षेत्र में विकास और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई गई।

सोनहत पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक

कत्लखाने ले जाए जा रहे 17 मवेशी बरामद, अंतरराज्यीय पशु तस्करी का भंडाफोड़

-संवाददाता-
सोनहत (कोरिया),09 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में अवैध पशु तस्करों के खिलाफ पुलिस ने एक बार फिर अपना कड़ा शिकंजा कसा है। थाना सोनहत की टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए 17 भैंसों को तस्करों के चंगुल से छुड़ाकर पशु क्रूरता के बड़े नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है।

बता दे की पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे के कड़े निर्देशों पर जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है, इसी कड़ी में 7 अप्रैल को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि ग्राम उज्ञांव (चौकी रामगढ़) में बड़ी संख्या में मवेशियों को छिपाकर रखा गया है, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेशा चौबे एवं राजेश साहू के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी विनोद पासवान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी,वहां आरोपी बहादुर सिंह (56 वर्ष) के कब्जे से 17 भैंसे बरामद हुए, इन बेजुबानों को बेहद अमानवीय तरीके से रस्सियों से बांधकर रखा गया था जिस पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है,छत्तीसगढ़ कृषि पशु परीक्षण अधिनियम 2004 धारा 4, 6, 10, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 धारा 11(1)(घ) के तहत कानूनी कार्यवाही की।

प्रारंभिक पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है,आरोपी ने बताया कि इन भैंसों को सोनहत विकासखण्ड के उज्ञाव निवासी पी.पी. सिंह और मकसूद खान (झारखंड) ने ट्रक के जरिए लाकर यहाँ डंप किया था। इन्हें चोरी-छिपे बुचड़खाने (कत्लखाने) ले जाने की पूरी तैयारी थी,जप्त किए गए मवेशियों की अनुमानित कीमत 4 लाख रुपये बताई जा रही है।

इस पूरी कार्यवाही को सफल बनाने में निरीक्षक विनोद पासवान,उप निरीक्षक राजाराम राठिया, प्रधान आरक्षक अमरलाल टोप्पो, आरक्षक विमल जायसवाल,रमेश कुमार यादव,प्रदीप कुमार साहू,पिटर एक्का,निखिलेश राजवाड़े,मनीष साय,और सहायक आरक्षक उमेंद्र सिंह, चंद्रिका,धरमलाल व श्यामलाल की विशेष भूमिका रही।

इनका कहना है

अवैध पशु तस्करी करने वालों के लिए कोरिया जिले में कोई जगह नहीं है, कानून हाथ में लेने वालों पर हमारी पैनी नजर है और यह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

विनोद पासवान, थाना प्रभारी सोनहत

नाम परिवर्तन सूचना

मैं शंकर राम राजवाड़े (माता/पिता/पालक का नाम) बाबूलाल सुपुत्र/ सुपुत्री...गाँव /शहर जगदीशपुर तहसील अम्बिकापुर. जिला सरगुजा,छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/ सुपुत्री का नाम विकेश राजवाड़े (पुराना नाम) से बदल कर रिकेश राजवाड़े (नया नाम) रख लिया है।

शंकर राम
जगदीशपुर,अम्बिकापुर.
जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सुकेसनी टोप्पो आ0 प्रभु दास टोप्पो जाति, निवासी नवापारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - नवापारा, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1 / 25 रकबा $0.01^{1/4}$ एकड भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका गीता गुप्ता पत्नी सुरेश चन्द्र गुप्ता, निवासी नेहरू वार्ड सत्तीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की सीट नम्बर -2 मोहल्ला-देवीगंज रोड़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 528/3, 586/3, 587 रकबा क्रमशः 0.04. 0.02, 0.01 एकड़ भूमि में से आधे अंश को अपने पुत्र अनावेदक-कमलेश गुप्ता आ0 सुरेश चन्द्र गुप्ता,निवासी नेहरूवार्ड सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा के पक्ष में दान करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेन्स खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है ।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 22.04.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक 02.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी !

सील
नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय कुमार आ0 राजाराम अग्रवाल, निवासी बरेजपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- मोहल्ला बरेजपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 2690/6 रकबा $0.02^{1/2}$ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17.04.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद-प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक 02.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202602020700203

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्:-2025-26

फुन्दुरडिहारी (प ह न. 00016),
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार - गोपाल हालदार, सुनील हालदार,पुष्पा पोर्ले,कानोन ब्यापारी.अशोक गाईन,विकास गाईन, विनीता दत्त. सावित्री हालदार,रीता विश्वास,
अनावेदक पक्षकार - गोपाल हालदार, सुनील हालदार, पुष्पा पोर्ले, कानोन ब्यापारी,अशोक गाईन, विकास गाईन, विनीता दत्त, सावित्री हालदार, रीता विश्वास,

ईश्तहार

आवेदक पुष्पा पार्ले आ0 स्व0 जीवन कृष्ण हलदार पति मोहन पार्ले, निवासी तुर्रापानी, फुन्दुरडिहारी, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 481, 484 रकबा क्रमशः 1.570, 1.000 है। भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/6 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13.04.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/02/2026 को जारी किया जाता है।

सील
उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर -2 जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 /अ-6-अ/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका इन्द्रावती पुत्री स्व0 बिहारी व अन्य, जाति उरांव, निवासी ग्राम मानिकप्रकाशपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि आवेदिकागण के स्वामित्व की भूमि ग्राम मानिकप्रकाशपुर में भूमि खसरा नंबर 133/3, 265/2, 332/1, 333, 476/1, 479, 4863, 485/1, 545/3, 576/2, 579/3, 643/ 2 कुल खसरा नंबर 12 कुल रकबा 0.694 हे0 भूमि स्थित है। उक्त भूमि में आवेदिका क्रमांक 01 व 02 का नाम राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश क्रमशः इन्द्रो व जगनी तथा आवेदक क्रमांक 03 मनोज के पिता का नाम त्रुटिवश मोहन दर्ज हो गया है। जिसे सुधार कर सही नाम इन्दो को इन्द्रावती तथा जगनी को जमुनी तथा आवेदक क्रमांक 03 मनोज के पिता का नाम मोहन को सुधार कर महेश दर्ज कराने बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है ।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 29/4/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 7/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-6/2025-26

एतद द्वारा सर्व साधारण ग्राम पडौली को सुचित किया जाता है कि आवेदक राजेश कुमार पुरिया आ0 स्व0 नन्दलाल पुरिया, जाति कोइरी, निवासी ग्राम पडौली, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर), जिला सरगुजा (छ0ग0) द्वारा ग्राम पडौली स्थित ख0नं0 721/31, 721/33 रकबा क्रमशः 0.332, 0.214 हे0 को आवेदक की माता प्रभावती पति स्व0 नंदलाल के द्वारा दिनांक 14/03/2025 को वसीयतनामा आवेदक के नाम पर निष्पादित किया गया है। वसीयतकर्ता प्रभावती की मृत्यु दिनांक 29/07/2025 को हो चुका है। आवेदक द्वारा उक्त वादभूमि को वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति पेश करना हो तो वह दिनांक 28/4/2026 तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 8/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी ।

सील
तहसीलदार
लुण्ड्रा (धौरपुर)
जिला सरगुजा (छ0ग0)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /अ-27/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हीरालाल आ0 सीधन माता स्व0 दशो व अन्य, जाति उरांव, निवासी ग्राम ठाकुरपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा द्वारा ग्राम ठाकुरपुर स्थित भूमि खसरा न0 120, 139, 154/1, 381, 576/1 कुल खसरा नंबर 05 कुल रकबा 4.240 हे0 भूमि का अनावेदक नन्दू आ0 जगसाय व अन्य, निवासी ग्राम ठाकुरपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता विभाजन कराने बावत् आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत् प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/ 05/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 9/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
अतिरिक्त तहसीलदार,
अम्बिकापुर-2

CMYK

पुल टूटा या व्यवस्था? गोबरी नदी पुल 7 महीने से टूटा पड़ा

समाधान अब भी फाइलों में-रपटा भी भूमिपूजन के इंतजार में अटका

कोरिया-सूरजपुर सीमा पर डुमरिया-एनएच-43 से शिवप्रसादनगर मार्ग बाधित...15 लाख स्वीकृत...टेंडर पूरा...फिर भी काम शुरू नहीं...बरसात से पहले संकट गहराया...

कवायत कहां है? गोबरी नदी पुल पर 7 महीने से ठप्प काम,फाइलों में ही विकास

गोबरी नदी पुल : 7 महीने से टूटा... सिस्टम भूमिपूजन में व्यस्त... जनता खुद बनाए रास्ता?

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया और सूरजपुर जिले की सीमा पर गोबरी) नदी पर बना पुल पिछले लगभग 7 महीनों से टूटा पड़ा है, यह पुल डुमरिया से राष्ट्रीय राजमार्ग 43 (एनएच-43) होते हुए शिवप्रसादनगर को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग था,जिसके टूटने से क्षेत्रीय आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है,हैरानी की बात यह है कि इस समस्या को लेकर पहले भी कई बार खबरें प्रकाशित हुई,चेतावनियां दी गईं, प्रशासनिक निरीक्षण हुए और समाधान के आश्वासन दिए गए, लेकिन आज तक जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्य शुरू नहीं हो सका है,वर्तमान में स्थिति यह है कि न स्थायी पुल का निर्माण शुरू हुआ है और न ही अस्थायी रपटा पुल बन पाया है।

कोरिया और सूरजपुर जिले की सीमा पर गोबरी नदी पर बना पुल पिछले 7 महीनों से टूटा पड़ा है, लेकिन सवाल यह है कि इस पुल को बनाने की कवायत आखिर कहां है? शुरुआत में जब पुल टूटा था, तब इसे लेकर तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था और स्थायी समाधान की बातें कही गई थीं,स्थायी पुल को बजट में शामिल करने का दावा भी हुआ, लेकिन वह बजट कब जमीन पर उतरेगा,इसका आज तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं है,दूसरी ओर, तत्काल राहत के रूप में रपटा पुल बनाने की बात कही गई,जिसे 7 महीने बाद भी हकीकत में नहीं बदला जा सका,स्थिति की विडंबना यह है कि जिस रपटा पुल को कुछ ही हफ्तों में बन जाना चाहिए था, वह अब तक शुरू भी नहीं हो पाया है, शुरुआती दौर में स्थानीय ग्रामीणों ने खुद चंदा जुटाकर और श्रमदान कर इस समस्या का समाधान निकालने की कोशिश की, कुछ हद तक काम भी शुरू हुआ, लेकिन जैसे ही यह मुद्दा राजनीतिक दायरे में आया, मामला जनसहयोग से निकलकर प्रशासनिक फाइलों में उलझ गया,अब स्थिति यह है कि रपटा पुल निर्माण के लिए लगभग 15 लाख रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है,टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है, लेकिन काम अभी तक शुरू नहीं हुआ,सूत्रों के अनुसार ठेकेदार काम शुरू करने के लिए मंत्री और विधायक के भूमिपूजन का इंतजार कर रहा है। यानी जिस पुल पर रोजाना लोगों की जिंदगी दांव पर लगी है,उसका निर्माण कार्यक्रम तय होने पर निर्भर हो गया है,सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर यह रपटा पुल अब बन भी जाता है,तो क्या यह आने वाले 4 महीने बाद की बरसात झेल पाएगा? या फिर यह भी पहली तेज बारिश में बह जाएगा और फिर वही कहानी दोहराई जाएगी–नई स्वीकृति, नया टेंडर, और फिर इंतजार,आज हालात यह हैं कि लोग जान जोखिम में डालकर नदी पार कर रहे हैं, बच्चे स्कूल जाने के लिए खतरा उठा रहे हैं और मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे हैं, ऐसे में यह सवाल और भी गंभीर हो जाता है कि जब एक अस्थायी रपटा पुल बनाने में 7 महीने लग रहे हैं,तो स्थायी पुल कब बनेगा? क्या यह सिर्फ घोषणाओं और फाइलों तक सीमित रहेगा या कभी जमीन पर उतरकर लोगों की समस्या का वास्तविक समाधान करेगा?

जुलाई-अगस्त 2025 की खबरों में उठे सवाल आज भी कायम...

वर्तमान स्थिति : समस्या जस की तस...

पुल टूटने के 7 महीने बाद भी स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं आया है, पुल अब भी क्षतिग्रस्त है और उपयोग के योग्य नहीं है, वैकल्पिक मार्ग पूरी तरह विकसित नहीं हो पाया है और अस्थायी व्यवस्था भी अपर्याप्त है, इस कारण से कोरिया और सूरजपुर जिले के बीच सीधा संपर्क प्रभावित हो गया है और लोगों को लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है।

डुमरिया-एनएच-43 मार्ग का महत्व और प्रभाव

यह पुल केवल एक सामान्य मार्ग नहीं था,बल्कि डुमरिया से राष्ट्रीय राजमार्ग 43 होते हुए शिवप्रसाद नगर तक जाने का प्रमुख संपर्क माध्यम था,पुल के टूटने से दो जिलों के बीच आवागमन प्रभावित हुआ है,व्यापार और परिवहन गतिविधियां बाधित हुई हैं,ग्रामीणों को अतिरिक्त समय और खर्च उठाना पड़ रहा है,इसका प्रभाव केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक है।

ग्रामीणों की स्थिति : रोज का संघर्ष

पुल टूटने के बाद स्थानीय लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्कूली बच्चे जोखिम उठाकर नदी पार कर रहे हैं, बीमार लोगों को अस्पताल पहुंचाने में कठिनाई हो रही है और किसानों तथा मजदूरों के कार्य प्रभावित हो रहे हैं,ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या अब उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुकी है और इसका कोई स्थायी समाधान दिखाई नहीं दे रहा है।

हल्की बारिश में भी आवागमन बाधित

गोबरी नदी में जलस्तर बढ़ते ही आवागमन पूरी तरह रुक जाता है, हल्की बारिश में भी लोग फंस जाते हैं और उन्हें जोखिम उठाकर नदी पार करनी पड़ती है, यह स्थिति दुर्घटनाओं की संभावना को बढ़ा रही है और लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है।

घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, गुरूवार 03 जुलाई 2025 | 6

अंग्रेजों द्वारा निर्मित पुल,पुलिया एवं भवन आज तक स्थिर

वहीं निर्वाचित देश की सरकारों द्वारा सरकारी तंत्र के नियंत्रण निगरानी में कराए जा रहे निर्माण अल्प अवधि में ही हो जा रहे ध्वस्त...क्यों?

पूर्व में प्रकाशित खबरें: चेतावनी को नजरअंदाज किया गया

जुलाई 2025 में प्रकाशित पहली खबर में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए थे,उसमें यह उल्लेख किया गया था कि पुराने समय में बने पुल आज भी मजबूती से खड़े हैं, जबकि वर्तमान में बनने वाले निर्माण कार्य कुछ ही समय में जर्जर हो जाते हैं, इसके बाद 13 जुलाई 2025 को प्रकाशित खबर में गोबरी नदी पुल के क्षतिग्रस्त होने के बाद वैकल्पिक व्यवस्था न किए जाने पर सवाल उठे, वहीं 3 अगस्त 2025 को प्रकाशित खबर में प्रशासनिक निर्देशों के बावजूद कार्य शुरू न होने की स्थिति को उजागर किया गया, इन खबरों में स्पष्ट रूप से यह चेतावनी दी गई थी कि यदि समय रहते कार्य नहीं हुआ,तो स्थिति और गंभीर हो सकती है,आज 7 महीने बाद यह साफ हो गया है कि उन चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लिया गया।

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर-समाचार | अम्बिकापुर,गुरूवार 28 अगस्त 2025 | 5

मंत्री की गैर हाजिरी में मंत्री के पति ग्रामीणों के सामने कर रहे हैं घोषणा,क्या यह भी है संवैधानिक अधिकार?

मंत्री नहीं तो मंत्री के पति की ही घोषणा को अब मानना पड़ेगा?

जन सहयोग से वैकल्पिक मार्ग बनाने की हुई थी शुरुआत तब अचानक मंत्री पति हुए प्रकट,जन सहयोग करने या फिर किरकिरी से बचने?

पुल टूटने के बाद से लेकर वैकल्पिक मार्ग व्यवस्था न बनने तक मंत्री नहीं पहुंची अपने ही विधानसभा के ग्रामीणों तक

मंत्री की गैर हाजिरी में मंत्री पति ने ही संभाल रखा है मोर्चा...उन्हीं की घोषणा पर ग्रामीण करें विश्वास या उनकी घोषणा को ही मंत्री की घोषणा माने?

क्या मंत्री को अपने विधानसभा की जनता के पास नहीं पहुंचना चाहिए...जिनके मतों से आज वह मंत्री हैं उन्हीं के बीच पहुंचने में परहेज क्यों?

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर-समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 14 जुलाई 2025 | 5

पुल टूटने के बाद वैकल्पिक व्यवस्था पर क्या सूरजपुर कलेक्टर का आदेश व निर्देश हवा हवाई था किसी ने भी अमल नहीं किया?

गोबरी नदी पर स्थित पुल को टूटे 13 दिन से ऊपर हो गए पर सूरजपुर प्रशासन वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बना पाया

जिस दिन पुल टूटा था उसी दिन सिर्फ औपचारिकता निभाने के लिए कलेक्टर व मंत्री के प्रतिनिधि पहुंचे थे,आश्वासन दिया पर,आश्वासन भी आश्वासन ही रह गया?

गोबरी नदी पुल के निरीक्षण पर मंत्री प्रतिनिधि,कलेक्टर और जनप्रतिनिधियों ने दिया आश्वासन वैकल्पिक मार्ग बनाने का पर अभी तक कोई सुगबुगाहट नहीं...

जिन्हें सूरजपुर कलेक्टर ने जिम्मा सौंप वह भी हाथ खड़े करके बैठे हैं क्या जिले में कलेक्टर से बड़े हो गए हैं अधिकारी?

कलेक्टर ने भी किया निरीक्षण, वैकल्पिक मार्ग के लिए दिया निर्देश

क्या प्रशासनिक अधिकारी भी नेता की तरह घोषणा करने वाले हो गए हैं,अपने ही बातों पर अमल इनसे भी नहीं होता?

एक पुल के धराशायी होने के बाद प्रशासन एक महीने में भी वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बना पाया,क्या यही है सुशासन?

निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी सिर्फ वोट मांगने के लिए हैं जनता की समस्या दूर करने में वह भी असहाय है?

क्या कलेक्टर के निर्देशों को अधिकारी उड़ा रहे धज्जियां

क्या जिले में कलेक्टर से बड़े हो गए हैं अधिकारी?

गोबरी नदी में बने पुल को टूटे 1 माह से ऊपर हो गए पर अधिकारी अभी तक नहीं बना पाए वैकल्पिक मार्ग?

3 बार के जनपद सदस्य को नहीं है जनता की फिक्र?

जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह अभी तक अपने जनता के तकलीफों को नहीं आए देखने

काहे के सीईओ इनके पास नहीं है बजट

प्रशासनिक स्थिति : प्रक्रिया बनाम परिणाम

इस पूरे मामले में प्रशासनिक प्रक्रिया और परिणाम के बीच स्पष्ट अंतर दिखाई देता है,निर्देश दिए गए,लेकिन पालन नहीं हुआ,फंड स्वीकृत हुआ, लेकिन काम शुरू नहीं हुआ,टेंडर पूरा हुआ,लेकिन निर्माण नहीं हुआ, यह स्थिति प्रशासनिक समन्वय और जवाबदेही पर सवाल खड़े करती है।

आगामी मानसून : बढ़ता संकट

आने वाले बरसात को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता है, यदि जल्द ही रपटा पुल का निर्माण नहीं हुआ,तो स्थिति और गंभीर हो सकती है,आवागमन पूरी तरह बाधित हो सकता है और लोगों को अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

जनता की अपेक्षाएं और सवाल

स्थानीय नागरिकों की अपेक्षा है कि समस्या का जल्द समाधान किया जाए,वे यह भी सवाल उठा रहे हैं कि क्या जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की प्राथमिकताओं में यह समस्या शामिल है या नहीं।

चेतावनी से संकट तक की कहानी

गोबरी नदी पुल का मामला यह दर्शाता है कि समय पर उठाए गए सवालों और चेतावनियों को नजरअंदाज करने का परिणाम कितना गंभीर हो सकता है,आज 7 महीने बाद भी समस्या जस की तस है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि समाधान की दिशा में अपेक्षित प्रयास नहीं किए गए,यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए,तो यह समस्या और गंभीर हो सकती है और इसका प्रभाव व्यापक स्तर पर पड़ेगा।

रपटा पुल : स्वीकृति के बावजूद काम शुरू नहीं

अस्थायी समाधान के रूप में रपटा पुल निर्माण के लिए लगभग 15 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है, टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है और ठेकेदार का चयन हो चुका है,इसके बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है, बताया जा रहा है कि भूमिपूजन कार्यक्रम के बाद ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा। यह स्थिति प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े करती है।

व्यंग्य: काम से पहले कार्यक्रम जरूरी

पूरी स्थिति को देखें तो ऐसा प्रतीत होता है कि विकास कार्यों की प्राथमिकता बदल गई है,यहां पुल टूटा हुआ है,लोग परेशान हैं,संसाधन उपलब्ध हैं फिर भी काम इसलिए नहीं हो रहा क्योंकि कार्यक्रम तय नहीं हुआ है, यह स्थिति यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या अब विकास कार्य भी केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं?

जनसहयोग से प्रयास,लेकिन अधूरा रह गया काम

पुल टूटने के बाद स्थानीय लोगों ने स्वयं रपटा पुल बनाने का प्रयास किया। उन्होंने चंदा एकत्र किया और श्रमदान के माध्यम से काम शुरू किया,लेकिन यह प्रयास अधूरा रह गया और कार्य आगे नहीं बढ़ सका, इससे यह स्पष्ट होता है कि स्थानीय स्तर पर प्रयास होने के बावजूद समुचित समर्थन नहीं मिल पाया।

निरीक्षण और आश्वासन : जमीनी असर नहीं

इस दौरान कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया,हर बार समाधान का आश्वासन दिया गया,लेकिन वास्तविकता में कोई ठोस कार्य शुरू नहीं हुआ, यह स्थिति दर्शाती है कि निरीक्षण और आश्वासन के बावजूद क्रियान्वयन में कमी है।

धान खरीदी में बड़ी लापरवाही उजागर,तीन केंद्र प्रभारियों को नोटिस जारी

समय पर धान उठाव और निराकरण नहीं होने पर सहकारिता विभाग सख्त,3 दिन में मांगा जवाब...

गिरजापुर-छिंदिया-सलका खरीदी केंद्रों में लापरवाही उजागर,धान खरीदी व्यवस्था पर सवाल...

- समय पर उठाव नहीं,अब कार्रवाई तय-तीन केंद्र प्रभारियों पर गिरी गाज
- धान खरीदी में देरी पड़ी भारी,सहकारिता विभाग ने जारी किया नोटिस
- लापरवाही पर प्रशासन का डंडा,धान खरीदी केंद्रों के प्रभारियों से जवाब मांगा

-रवि सिंह-

कोरिया,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले में धान खरीदी व्यवस्था में गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद सहकारिता विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए तीन धान खरीदी केंद्रों के प्रभारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि तय समय में कार्य नहीं करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कोरिया जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान खरीदी कार्य में अनियमितता और लापरवाही का मामला सामने आया है,सहायक आयुक्त सहकारिता एवं सहायक पंजीयक,बैकुंठपुर द्वारा 8 अप्रैल 2026 को जारी आदेश के तहत गिरजापुर, छिंदिया और सलका धान खरीदी केंद्रों के प्रभारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है,दस्तावेज़ के अनुसार संबंधित प्रभारियों को शासन के निर्देशानुसार धान खरीदी,उसके सुरक्षित भंडारण, समय पर उठाव और निराकरण की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, इसके बावजूद इन केंद्रों में धान का उठाव एवं निराकरण कार्य लंबित पाया गया, जो प्रशासनिक निर्देशों की अवहेलना मानी गई है, नोटिस के अनुसार गिरजापुर केंद्र के प्रभारी राम कुमार साहू को नोटिस जारी कर पूछा गया है कि अब तक धान का उठाव और निराकरण क्यों नहीं किया गया, दूसरा नोटिस छिंदिया केंद्र के प्रभारी रवि कुमार साहू तथा तीसरा नोटिस सलका केंद्र के प्रभारी श्रीराम यादव को भी समान कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, तीन केंद्र प्रभारियों को नोटिस जारी होने के बाद जिले के अन्य धान खरीदी केंद्रों में भी हलचल तेज हो गई है, अब यह देखना अहम होगा कि संबंधित अधिकारी समय पर जवाब देते हैं या फिर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होती है, प्रशासन की इस पहल से व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

नोटिस में क्या कहा गया

नोटिस में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि धान खरीदी केंद्रों में उपार्जित धान का समय पर उठाव और निराकरण नहीं होना गंभीर लापरवाही है,साथ ही यह भी उल्लेख किया गया है कि संबंधित प्रभारी अपने मुख्यालय में अनुपस्थित पाए गए, जो उनके कर्तव्यों के प्रति उदासीनता को दर्शाता है,प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल शेष धान का उठाव एवं निराकरण सुनिश्चित करें और अपने कृत्य के संबंध में 3 दिवस के भीतर लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें।

कार्रवाई की चेतावनी

आदेश में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया, तो संबंधित प्रभारियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे।

प्रशासन की सख्ती का संकेत

इस कार्रवाई को प्रशासन की सख्ती के रूप में देखा जा रहा है। धान खरीदी जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इससे अन्य केंद्रों के प्रभारियों में भी सतर्कता बढ़ने की संभावना है।

व्यवस्था सुधार की उम्मीद

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की कार्रवाई से धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी, समय पर उठाव और निराकरण सुनिश्चित होने से किसानों को भी राहत मिलेगी और भंडारण संबंधी समस्याएं कम होंगी।

योगेंद्र मिश्रा बने चार SECL क्षेत्रों के प्रभारी,संगठन में मिली अहम जिम्मेदारी

चिरमिरी,भटगांव,बैकुंठपुर और विश्रामपुर क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई, श्रमिक हितों को मजबूत करने पर जोर

-संवाददाता-
कोरिया,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

कोयला मजदूर सभा (एच.एम.एस.) ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा निर्णय लेते हुए योगेंद्र मिश्रा को चार महत्वपूर्ण एसईसीएल क्षेत्रों का प्रभारी नियुक्त किया है, इस नियुक्ति से संगठन की गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। कोयला मजदूर सभा (एच.एम.एस.) के महामंत्री नथुलाल पाण्डेय द्वारा संगठनात्मक विस्तार के तहत योगेंद्र मिश्रा को अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है,योगेंद्र मिश्रा, जो पूर्व में एसएमएस के महामंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं,अब उन्हें एसईसीएल के चार प्रमुख क्षेत्रों–चिरमिरी,भटगांव,बैकुंठपुर और विश्रामपुर–का प्रभारी बनाया गया है, यह नियुक्ति संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने तथा श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से की गई है, संगठन का मानना है कि योगेंद्र मिश्रा के अनुभव और नेतृत्व क्षमता से इन क्षेत्रों में संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

महामंत्री का बयान- महामंत्री नथुलाल पाण्डेय ने कहा कि योगेंद्र मिश्रा को दी गई यह जिम्मेदारी संगठन के विस्तार और मजबूती के लिए महत्वपूर्ण है, उनसे अपेक्षा है कि वे श्रमिकों के हितों की रक्षा करते हुए संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करेंगे।

जिम्मेदारियों पर फोकस-योगेंद्र मिश्रा को सौंपे गए दायित्वों में प्रमुख रूप से श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना, श्रमिक समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना, संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना, चारों क्षेत्रों में संगठन की सक्रियता बढ़ाना।

गढ़ीपारा आंगनबाड़ी में न्योता भोज: जनभागीदारी से 45 बच्चों को मिला पौष्टिक भोजन,गांव में दिखा उत्साह

पांच आंगनबाड़ी केंद्रों के संयुक्त सहयोग से आयोजन,सरपंच ने बच्चों को स्वयं परोसा भोजन,पोषण और जागरूकता का दिया गया संदेश

-संवाददाता-
खड़गवां,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत खड़गवां के गढ़ीपारा आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित न्योता भोज कार्यक्रम ने ग्रामीण सहभागिता और बच्चों के पोषण के महत्व को एक साथ सामने रखा, सोमवार को आयोजित इस कार्यक्रम में पांच आंगनबाड़ी केंद्रों–राघागंज, चारपारा,जनकपुर, चनवारीडाड़ और गढ़ीपारा–के संयुक्त सहयोग से 45 बच्चों को पौष्टिक भोजन कराया गया। इस आयोजन में न केवल बच्चों के पोषण का ध्यान रखा गया,बल्कि समाज में आंगनबाड़ी केंद्रों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी संदेश दिया गया।

संयुक्त प्रयास से सफल आयोजन

गढ़ीपारा आंगनबाड़ी में आयोजित यह न्योता भोज कार्यक्रम पांच केंद्रों के समन्वय से संपन्न हुआ,जिससे सामूहिक भागीदारी की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। कार्यक्रम में ग्रामीणों की सक्रिय उपस्थिति ने इसे एक सामाजिक आयोजन का रूप दे दिया।

मुख्य अतिथि ने बच्चों को खिलाया भोजन

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच सुखित लाल अगरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे,उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से भोजन परोसकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस पहल से बच्चों और अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला, महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक लाली प्रजापति भी कार्यक्रम में मौजूद रहीं और उन्होंने आयोजन की सराहना की।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका- कार्यक्रम को सफल बनाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं–मीना पांडे,ओमवती,माधुरी,इंद्रा और गंगा गुप्ता– की महत्वपूर्ण भूमिका रही,उन्होंने पूरे आयोजन की व्यवस्था संभालते हुए बच्चों के लिए भोजन और अन्य तैयारियों को सुचारू रूप से संचालित किया।

महिलाओं और अभिभावकों की भागीदारी-इस आयोजन में बच्चों के पालक समूह की महिलाएं,मोहल्ले की महिलाएं,गर्भवती एवं शिशुवती माताएं बड़ी संख्या में शामिल हुईं,उनकी उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि ग्रामीण स्तर पर बच्चों के पोषण को लेकर जागरूकता बढ़ रही है।

पोषण और जागरूकता का संदेश-महिला बाल विकास पर्यवेक्षक लाली प्रजापति ने न्योता भोज के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से किए जाने चाहिए। उन्होंने बताया कि जन्मदिन, त्योहार और विशेष अवसरों पर जनसहयोग से बच्चों को अतिरिक्त पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जा सकता है,उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़कर बच्चों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण में सहयोग दें।

पौष्टिक भोजन से खिले बच्चों के चेहरे-न्योता भोज में बच्चों को खीर, पूड़ी, दाल-चावल, भाजी और मौसमी फल पपीता परोसा गया। स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

ग्रामीणों ने की पहल की सराहना- ग्रामीणों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों को बेहतर पोषण मिलता है और आंगनबाड़ी केंद्रों के प्रति लोगों का जुड़ाव बढ़ता है।

संयुक्त संवेदना योजना को मिला प्रशासनिक संबल,शिक्षा अधिकारियों ने बढ़ाया सहयोग

डीईओ सहित अधिकारियों ने आर्थिक सहयोग देकर दिवंगत शिक्षकों के परिवारों के लिए चल रहे अभियान को सराहा...

-संवाददाता-
सूरजपुर,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले में शिक्षकों द्वारा संचालित संयुक्त संवेदना योजना को अब प्रशासनिक स्तर पर भी मजबूत समर्थन मिल रहा है, जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने इस मानवीय पहल में आर्थिक सहयोग देकर अपनी सहभागिता निभाई। सूरजपुर जिले में शिक्षकों के हित और मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए संचालित संयुक्त संवेदना योजना को लगातार मजबूती मिल रही है,इसी कड़ी में जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्र, सहायक संचालक रविंद्र सिंह देव तथा प्राचार्य आशीष भट्टाचार्य ने योजना के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए आर्थिक सहयोग प्रदान किया,इन अधिकारियों ने संयुक्त संवेदना समिति के जिला संचालक सचिन त्रिपाठी एवं पदाधिकारियों,राकेश शुक्ल, गिरवर यादव,भुवनेश्वर सिंह,राधेश्याम साहू,मनोज कुशवाहा और जय गुप्ता को सहयोग राशि सौंपते हुए इस पुनीत कार्य की सराहना की, अधिकारियों ने कहा कि दिवंगत शिक्षकों के परिवारों की सहायता के लिए चलाया जा रहा यह अभियान अत्यंत सराहनीय है और सभी शिक्षकों को इसमें स्वेच्छा से योगदान देना चाहिए।

मिशन समन्वयक ने भी की सराहना

इससे पूर्व जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू,जो स्वयं पिछले तीन वर्षों से इस योजना के सदस्य हैं,ने भी इस मुहिम की खुले दिल से प्रशंसा की। उन्होंने इसे शिक्षकों के बीच सहयोग और संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

कैसे शुरू हुई योजना

विकासखंड सूरजपुर के संचालक कृष्ण कुमार सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना की शुरुआत वर्ष 2020-21 में संयुक्त शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सचिन त्रिपाठी द्वारा की गई थी,शुरुआत में कुछ ही शिक्षक जुड़े थे,लेकिन पारदर्शिता और सहयोग की भावना के चलते आज यह योजना एक बड़े अभियान का रूप ले चुकी है।

आज 3000 से अधिक सदस्य जुड़े-

वर्तमान में इस योजना से लगभग 3000 शिक्षक सदस्य जुड़े हुए हैं,योजना के तहत प्रत्येक सदस्य प्रतिवर्ष 500 रुपये का योगदान देता है,सदस्यता की अवधि अप्रैल से मार्च तक रहती है और समय पर राशि जमा करना अनिवार्य होता है।

दिवंगत शिक्षकों के परिवारों को सहारा

इस योजना की सबसे खास बात यह है कि किसी सदस्य शिक्षक के निधन की स्थिति में उसके परिवार को समिति द्वारा 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, अब तक 28 दिवंगत शिक्षकों के परिवारों को कुल 28 लाख रुपये की सहायता दी जा चुकी है।

सदस्यता अभियान जारी

वर्ष 2026 के लिए सदस्यता अभियान शुरू हो चुका है,इच्छुक शिक्षक ब्लॉक संचालकों या प्रभारियों से संपर्क कर इस योजना का हिस्सा बन सकते हैं और इस नेक कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं।

खड़गवां सहकारी समिति में खाद पंजीयन के नाम पर 120 रुपये वसूली का आरोप

नो ड्यूज के नाम पर बिना रसीद पैसे लेने की शिकायत जनपद सदस्य ने मौके पर पहुंचकर किया खुलासा

-संवाददाता-
खड़गवां,09 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

खड़गवां स्थित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति में किसानों से खाद पंजीयन के नाम पर 120 रुपये की कथित अवैध वसूली का मामला सामने आया है, आरोप है कि नो ड्यूज के नाम पर बिना रसीद पैसे लिए जा रहे थे, जिससे किसानों में नाराजगी है। खड़गवां की आदिम जाति सेवा सहकारी समिति में किसानों से खाद पंजीयन और नो ड्यूज के नाम पर 120 रुपये प्रति किसान वसूले जाने का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है, यह मामला तब उजागर हुआ जब जनपद सदस्य एवं सभापति युगांतर श्रीवास्तव स्वयं समिति पहुंचे और किसानों से सीधे बातचीत कर जानकारी ली, किसानों ने बताया कि खाद पंजीयन कराने के दौरान उनसे नो ड्यूज के नाम पर अतिरिक्त राशि ली जा रही है,लेकिन इसके

बदले कोई रसीद नहीं दी जाती, किसानों का आरोप है कि यह वसूली पूरी तरह अनौपचारिक है और उन्हें इसकी कोई स्पष्ट जानकारी भी नहीं दी गई,मामले की गंभीरता को देखते हुए सभापति युगांतर श्रीवास्तव ने तत्काल मनेंद्रगढ़ के सहायक पंजीयक से फोन पर संपर्क किया, सहायक पंजीयक ने स्पष्ट किया कि खाद वितरण या पंजीयन के लिए नो ड्यूज की कोई अनिवार्यता नहीं है, उन्होंने आश्वासन दिया कि वे इस संबंध में समिति प्रबंधक से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई करेंगे, इस खुलासे के बाद समिति की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े हो गए हैं, किसानों का कहना है कि उनसे ली गई राशि का कोई आधिकारिक दस्तावेज या रसीद नहीं दी गई, जिससे यह संदेह गहरा हो गया है कि वसूली नियमों के विरुद्ध की जा रही थी, वहीं, समिति प्रबंधक ने इन आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि समिति परिसर में कॉमन सर्विस सेंटर संचालित हो रहा है। उनके अनुसार किसानों की सुविधा के लिए लोन फॉर्म तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें फोटो कॉपी और अन्य दस्तावेजों का खर्च शामिल होता है,उन्होंने दावा किया कि यह राशि किसानों की सहमति से ली जा रही है,ताकि उन्हें ऋण प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी न हो,हालांकि,किसानों का कहना है कि उन्हें इस सेवा के बारे में स्पष्ट रूप से जानकारी नहीं दी गई और बिना रसीद पैसे लेना पूरी तरह गलत है।

C M Y K

3 महीने के लिए जेल से बाहर आएंगे अमित बघेल

हाईकोर्ट ने रेगुलर बेल की खारिज,अंतरिम जमानत मिली

बिलासपुर,09 अप्रैल 2026। अग्रवाल और सिंधी समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के अध्यक्ष अमित बघेल को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने उनकी रेगुलर बेल खारिज कर दी है, लेकिन अंतरिम बेल पर वे 3 महीने के लिए जेल से बाहर आएंगे। दिसंबर 2025 में उनकी गिरफ्तारी हुई थी। अमित बघेल के वकील हर्षवर्धन परगनिया का कहना है कि,उन्हें 3 महीने के लिए अंतरिम बेल मिली है।

जबकि आपत्तिकर्ता के वकील सुनील ओटवानी का कहना है कि, नियमित जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज की है। अमित बघेल को 3 महीने का पैरोल दिया गया है। दरअसल, रायपुर वीआईपी चौक पर छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा टूटने पर अमित बघेल ने अग्रवाल और सिंधी समाज को लेकर टिप्पणी की थी। जिसके बाद रायपुर और अन्य प्रदेशों के अलग-अलग थानों में मामले दर्ज किए गए थे। उन पर कुल 14

रायपुर में रहने पर लगी रोक

हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत देते हुए शर्त रखी है कि,अमित बघेल अगले 3 महीने तक रायपुर जिले की सीमा में निवास नहीं करेंगे। हालांकि,उन्हें कोर्ट में पेशी के लिए तय तारीखों पर रायपुर आने की अनुमति दी गई है।

दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद फैसला

कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुनाया। अमित बघेल की ओर से अधिवक्ता हर्षवर्धन परगनिहा ने पक्ष रखा। वहीं,आपत्तिकर्ता की ओर से सुनील ओटवानी और राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता प्रवीण दास ने पैरवी की।

एफआईआर दर्ज हुई थीं। 26 अक्टूबर 2025 को रायपुर के VIP चौक पर छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति से तोड़फोड़ की गई थी। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना मौके पर पहुंची और जमकर हंगामा किया। इस दौरान क्रांति सेना और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प भी देखने को मिली। हंगामे के बाद छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति दोबारा स्थापित कर दी गई। पुलिस ने मूर्ति तोड़ने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी मानसिक रूप से बीमार है और उसने नशे में मूर्ति तोड़ी थी। परिजनों के मुताबिक आरोपी मानसिक रूप से बीमार है। सेंद्री और रांची में इलाज हुआ था। अमित बघेल के बयान के विरोध में रायपुर, रायगढ़ और सरगुजा समेत प्रदेश भर प्रदर्शन हुआ था। अग्रवाल समाज ने कड़ी कार्रवाई और सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की थी। समाज का कहना है था कि छत्तीसगढ़ की एकता और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए ऐसे बयान देने वालों पर सख्त कदम उठाना जरूरी है।

अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

1.71 करोड़ का गांजा जब्त,5 आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद,09 अप्रैल 2026। जिले की सिंघोड़ा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। गुरुवार 9 अप्रैल को पुलिस ने ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर नाकाबंदी कर करीब 1.71 करोड़ रुपये कीमत का गांजा जब्त किया और 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक ट्रक में भारी मात्रा में गांजा ओडिशा से छत्तीसगढ़ होते हुए महाराष्ट्र ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने एनएच-53 स्थित रेहटीखोल के पास घेराबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान एक संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली गई।तलाशी के दौरान ट्रक के अंदर छिपाकर रखी गई 9 बोरियों से 3 क्विंटल 12 किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में ट्रक चालक ने अपना नाम इम्तियाज खान (48) निवासी कर्नाटक और हेल्पर ने रवि प्रकाश राउतकर (45) निवासी मध्यप्रदेश बताया। दोनों के जवाब संदिग्ध पाए जाने पर सख्ती से पूछताछ की गई।पूछताछ में खुलासा हुआ कि गांजा ओडिशा के सोनपुर जिले से मुंबई ले जाया जा रहा था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने ओडिशा के बरहमपुर से तीन अन्य

आरोपियों–जियाउल हक (सप्लायर), सुखविंदर उर्फ बुलबुल (ट्रांसपोर्टर) और नदीम अंसारी (सहयोगी)–को भी गिरफ्तार किया।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 312.590 किलोग्राम गांजा, एक ट्रक, एक कार और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 1.71 करोड़ रुपये आंकी गई है।मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20बी(2)(बी) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।यह पूरी कार्रवाई एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और थाना सिंघोड़ा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

चरित्र शंका में पत्नी को जिंदा जलाया...आरोपी पति को उम्रकैद की सजा बरकरार,हाईकोर्ट ने खारिज की अपील

बिलासपुर,09 अप्रैल 2026। पत्नी की हत्या के दोषी पति की अपील को हाईकोर्ट ने खारिज करते हुए उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। मामला छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले का है, जहां पांडातराई में चरित्र शंका में पति ने पत्नी पर केरोसीन डालकर उसे जिंदा जला दिया था। आग से जलती हुई महिला ने तालाब में कूदकर अपनी जान बचाने की कोशिश भी की,लेकिन वह नहीं बच सकी। उसका पति उसे जलते हुए देखता रहा। इस मामले में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के डीबी ने हत्या के दोषी पति की अपील खारिज कर दी है। डिवीजन बेंच ने उम्रकैद के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि मरने से पहले का बयान अपने आप में दोषसिद्धि का ठोस आधार है, क्योंकि मरते हुए व्यक्ति के होठों पर सत्य

निवास करता है। दरअसल, पांडातराई निवासी आरोपी संतोष उर्फ गोलू श्रीवास्तव ने 18 नवंबर 2019 को पत्नी लता श्रीवास्तव पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी थी। उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह पत्नी के चरित्र पर शक करता था। दोनों पति-पत्नी के बीच आए दिन विवाद होता था। इसी विवाद की वजह से उसने घर का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया। फिर पत्नी के ऊपर मिट्टी तेल डालकर उसे आग के हवाले कर दिया। इस दौरान बुरी तरह झुलसी लता ने घर के पास स्थित तालाब में कूदकर अपनी जान बचाने की कोशिश की, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में उसने मजिस्ट्रेट के सामने अपने पति के खिलाफ बयान दर्ज कराया। करीब 21 दिनों तक चले इलाज के बाद 9 दिसंबर 2019 महिला की मौत हो गई थी। पुलिस ने जांच और महिला के बयान के आधार पर आरोपी पति संतोष श्रीवास के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने चार्जशीट पेश किया, तब ट्रॉयल के दौरान पति को हत्या का दोषी पाया गया, जिस पर निचली अदालत ने पति को उम्रकैद की सजा सुनाई। इस फैसले के खिलाफ आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

2013 मर्डर केस में वीरेन्द्र सिंह तोमर दोषमुक्त

कोर्ट बोला...पूरा मामला सिर्फ संदेह तक सीमित,सबूत नहीं मिले,फर्नीचर को लेकर हुआ था विवाद

रायपुर,09 अप्रैल 2026। राजधानी रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र के चौरसिया कॉलोनी में साल 2013 में हुए चर्चित गोलीकांड मामले में कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नीरज शर्मा की कोर्ट ने वीरेंद्र सिंह उर्फ रुबी सिंह को सभी आरोपों से बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को पुख्ता सबूतों के साथ साबित नहीं कर सका। जानकारी के अनुसार, फर्नीचर व्यवसायी मोहम्मद हबीब खान को वीरेंद्र सिंह ने अपनी बहन की शादी के लिए करीब 48 हजार रुपए का फर्नीचर बनाने का ऑर्डर दिया था। इसमें से 5 हजार रुपए एडवांस दिए गए थे, जबकि 43 हजार रुपए बाकी थे। फर्नीचर देने के बाद भी जब पैसे नहीं मिले, तो दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया।

सामान वापस लेने पहुंचे,विवाद में चली गोली : 13 अगस्त 2013 को हबीब खान अपने साथियों के साथ फर्नीचर वापस

लेने वीरेंद्र सिंह के घर पहुंचे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और मारपीट की स्थिति बन गई। अभियोजन के अनुसार, वीरेंद्र ने पिस्टल से हबीब खान पर फायर किया,लेकिन गोली उन्हें नहीं लगी। इसके बाद पीछे खड़े नौसाद आलम उर्फ असलम को गोली लग गई,जिससे उसकी मौत हो गई।

जांच के बाद मामला पहुंचा ट्रायल में : घटना के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। मौके से सबूत जुटाए गए, गवाहों के बयान लिए गए और आरोपी के पास से पिस्टल बरामद की गई। हथियार को जांच के लिए लैब भेजा गया और सभी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद मामला कोर्ट में पेश किया गया।

कोर्ट ने कहा...सबूत पर्याप्त नहीं

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि गवाहों के बयान और अन्य सबूत मजबूत नहीं हैं। अभियोजन पक्ष आरोपों को पूरी तरह साबित नहीं कर सका। इसी आधार पर कोर्ट ने संदेह का लाभ देते हुए वीरेंद्र तोमर को सभी धाराओं से बरी कर दिया।

वकील ने बताया...केस में साक्ष्य कमजोर थे

वीरेंद्र की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता शशांक मिश्रा ने बताया कि केस में पेश किए गए सबूत अदालत में टिक नहीं पाए। कोर्ट ने सभी तथ्यों और परिस्थितियों का परीक्षण करने के बाद यह पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में असफल रहा, जिसके चलते वीरेंद्र तोमर को दोषमुक्त करार दिया गया।

प्रदेश की कानून व्यवस्था पर पीसीसी चीफ बैज का तीखा बयान,कहा...जंगलराज चल रहा है,असुरक्षित महसूस कर रही जनता...

रायपुर,09 अप्रैल 2026। प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाए हैं। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने एक दिन पहले सेजबहार में एक परिवार के साथ हुई लूट की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में जंगलराज चल रहा है। अपराध सरकार के नियंत्रण से बाहर है। आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मीडिया से चर्चा में श्लोक से सरकारी स्कूलों की शुरुआत होने पर सवाल उठाते हुए कहा कि अभी तक बच्चों को पुस्तक उपलब्ध नहीं करवा पाए, आरटीई में एडमिशन नहीं हो रहा है,कई स्कूलों में शिक्षक नहीं, बच्चियों के लिए टायलेट नहीं है। क्या सरकार शिशु मंदिर बनाना चाहती है स्कूल में श्लोक पढ़ाने की बजाए इस दिशा में सरकार होमवर्क करे, तो स्कूल बेहतर हो जाएगा।

तीनों राज्यों में बनेगी कांग्रेस की सरकार

वहीं असम,केरल और पुडुचेरी में हो रहे मतदान को लेकर दीपक बैज ने कहा कि तीनों राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनेगी। पूरी तरह से बदलाव का माहौल बना हुआ है। असम के मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी के ऊपर भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। भ्रष्टाचार छुपाने के लिए सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं। जवाब न देकर गिरफ्तारी का डर दिखा रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। हिमंत विश्वा सरमा जेल जाएंगे। महतारी वंदन के लिए केवायसी को अनिवार्य किए जाने पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि सरकार के पास पैसा नहीं है। केवायसी के नाम पर सरकार महिलाओं के नाम काटने की साजिश कर रही है।

कितने नक्सलमुक्त गांवों को दिए एक करोड़

नक्सलमुक्त पंचायतों को 1 करोड़ रुपए दिए जाने को लेकर बैज ने कहा कि सरकार ने बस्तर के जनप्रतिनिधियों से वादा किया है। नक्सलमुक्त पंचायतों को 1 करोड़ रुपए देने हैं। सरकार कह रही है कि सभी जिले नक्सलमुक्त हो चुके हैं,तो 1 करोड़ रुपए देना चाहिए। इसके लिए क्या पीएम मोदी से मुलाकात कर राशि मांगी गई है।

छत्तीसगढ़ से मध्य प्रदेश में छोटे नोटों की सप्लाई

हर बंडल पर 1000 तक कमीशन,17.90 लाख कैश के साथ कारोबारी अरेस्ट,इनमें 10-20 की गड्डियां

बिलासपुर,09 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ से मध्य प्रदेश में कमीशन लेकर छोटे नोट सप्लाई किए जा रहे हैं। बिलासपुर में बेलगहना पुलिस और ACCU टीम ने एक कारोबारी को 17.90 लाख कैश के साथ गिरफ्तार किया है। जिसमें 10, 20 और 50 रुपए के नए नोटों की 81 गड्डियां शामिल है। आरोपी इन छोटे नोटों को कटनी, शहडोल और आसपास के व्यापारियों के यहां खपाता था। हर बंडल पर आरोपी को 200 से 1000 रुपए तक कमीशन मिलता था। मामला बेलगहना थाना इलाके का है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पवन बजाज (35) के रूप में हुई है। वह बिलासपुर के कश्यप कॉलोनी का रहने वाला है। युवक तांबा-पीतल स्क्रैप का कारोबार

करता है। इस वजह से उसका बैंकों में आना-जाना रहता है। इसी माध्यम से वह बैंक अफसरों से परिचय बढ़ाकर नोट खपाने का अवैध धंधा करने लगा।

कमीशन पर सप्लाई करता था नोट

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि, वह इन छोटे नोटों की गड्डियों को कमीशन पर सप्लाई करता था। हर बंडल पर उसे 200 से 1000 रुपए तक का कमीशन मिलता था। वह शहर के साथ-साथ जिले के बैंकों के अधिकारियों और कर्मचारियों से संपर्क कर नोट जुटाता था।

सूटकेस और पिट्ठू बैग में पैसे लेकर घूम रहा था

बेलगहना पुलिस और ACCU टीम इलाके में पेट्रोलिंग और जांच कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि टेगनमाड़ा रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति 2 सूटकेस और एक पिट्ठू बैग के साथ संदिग्ध हालत में घूम रहा है।

नोट खपाने के लिए जा रहा था मध्य प्रदेश

मामले की सूचना एसएसपी रजनेश सिंह को दी गई। उनके निर्देश पर टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपी को पकड़ लिया। युवक ने पुलिस को बताया कि वह बैंकों से करेंसी नोटों को इकट्ठा कर मध्य प्रदेश के कटनी, शहडोल और आसपास के व्यापारियों के यहां खपाता था। इन नोटों को कहां से लाया था, इसकी जानकारी नहीं दे पाया।

महिला एवं बाल विकास विभाग में साड़ी घोटाला...आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 5.5 की बजाय 5 मीटर की बांटी साड़ी,मंत्री राजवाड़े ने दिए जांच के आदेश

रायपुर,09 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग की साड़ी वितरण योजना अब एक बड़े विवाद में बदलती नजर आ रही है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए खरीदी गई साड़ियों को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं,जिनमें न सिर्फ मापदंडों की अनदेखी हुई है,बल्कि गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। दरअसल वर्ष 2024-25 के लिए प्रदेश की लगभग 1.94 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को साड़ी वितरण किया गया। इसके लिए प्रति साड़ी 500 रुपए की दर से करीब 9.7 करोड़ रुपए खर्च किए गए। सरकारी मापदंड के अनुसार हर साड़ी की लंबाई 5.5 मीटर होनी थी,लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आई। कई जिलों में बांटी गई साड़ियां 5 मीटर या उससे भी कम पाई गईं। इस कमी का सीधा असर उन महिलाओं पर पड़ा है, जिन्हें ये साड़ियां पहननी हैं।

छोटे साड़ी को पहनकर काम करना मुश्किल : आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का कहना है कि जब 4 फुट की हाइट वाली कार्यकर्ता तक यह साड़ी ठीक से नहीं पहन पा रही है तो सामान्य कद की महिलाओं के लिए यह साड़ी कैसे उपयोगी हो सकती है। साड़ी छोटी होने के कारण उसे ठीक से लपेटना मुश्किल हो रहा है,जिससे काम के दौरान असहज स्थिति बन रही है। सिर्फ लंबाई ही नहीं, साड़ी की गुणवत्ता भी सवालों के घेरे में है। कई जगहों पर यह सामने आया है कि साड़ी को धोने के बाद उसका रंग उतर गया और कपड़ा सिकुड़ गया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि ऐसी साड़ी पहनकर सार्वजनिक स्थानों पर काम करना उनके लिए असहज और अपमानजनक स्थिति पैदा करता है।

मामले की निष्पक्ष जांच हो, अच्छी गुणवत्ता की साड़ी दे सरकार : इस मुद्दे पर सियासत भी तेज हो गई है। कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार हो रहा है, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को घटिया और गुणवत्ताहीन साड़ियां बांटी गई हैं। बहनें साड़ी तक नहीं पहन पा रही हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री खुद महिला होने के बावजूद उनके अधिकारों पर डाका डालने का काम कर रही है। जो साड़ी वितरित की गई है वही लक्ष्मी राजवाड़े को दी जाए।

पीजी स्टडी के लिए अवकाश बढ़कर 3 साल हुआ,डॉक्टर फेडरेशन ने पुराने बैच के चिकित्सकों को भी राहत देने की मांग

रायपुर,09अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने सेवारत डॉक्टरों के लिए पीजी पाठ्यक्रम के लिए अध्ययन अवकाश की अवधि 2 साल से बढ़ाकर 3 साल करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस फैसले से प्रदेश के सैकड़ों डॉक्टरों को सीधा लाभ मिलेगा। डॉक्टर फेडरेशन ने पुराने बैच के चिकित्सकों के लिए भी राहत की मांग की है। छत्तीसगढ़ डॉक्टर फेडरेशन की तरफ से लंबे समय से इस मांग को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे थे। फेडरेशन का कहना था कि,उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे चिकित्सकों को पर्याप्त अध्ययन अवकाश मिलना जरूरी है, जिससे वे अपनी पढ़ाई पूरी कर बेहतर विशेषज्ञ बन सकें और राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बना सकें। इस निर्णय से चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार होने की उम्मीद है। फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. हीरा सिंह लोधी ने फैसले पर खुशी जताते हुए कहा कि, यह संगठन के निरंतर प्रयास, संवाद और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से इस मुद्दे को शासन के समक्ष प्रमुखता से उठाया जा रहा था और अब इसका सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

बालोद में बड़ा हादसा : यात्रियों से भरी बस रेलवे ट्रैक पर गिरी, 30 घायल

बालोद,09अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र 2 में गुरुवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। यात्रियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर खाई में गिरते हुए रेलवे ट्रैक तक जा पहुंची। हादसे के समय बस में करीब 30 यात्री सवार थे। घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई।मिली जानकारी के अनुसार, पायल ट्रेवेल्स की बस दुर्ग से दल्लीराजहरा की ओर जा

रही थी। कुसुमकसा और जमही टोल प्लाजा के बीच अचानक बस का स्टेयरिंग फेल हो गया। इससे चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा और बस सड़क से उतरकर खाई में गिरते हुए रेलवे ट्रैक तक पहुंच गई।हादसे के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में चीख-पुकार शुरू हो गई। घटना के तुरंत बाद चालक मौके से फरार हो गया।स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस को सूचना दी और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक, सभी घायलों की हालत अब खतरे से बाहर है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अगर हादसे के वक्त रेलवे ट्रैक पर ट्रेन गुजर रही होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। समय रहते राहत और बचाव कार्य होने से एक बड़ा नुकसान टल गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रेलवे विभाग के साथ मिलकर ट्रैक को सुरक्षित कराया। बाद में क्रेन की मदद से बस को बाहर निकाला गया। यात्रियों को दूसरी बस से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया।फिलहाल पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है।

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक और एसबीआई पेंशन फंड के मध्य हुआ एमओयू,ग्राहकों को पेंशन योजनाओं का मिलेगा लाभ

रायपुर,09 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के कॉरपोरेट कार्यालय, सेक्टर-24, नवा रायपुर में आज एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीजीएम प्रणय रंजन जी (मुंबई कॉरपोरेट ऑफिस) की उपस्थिति में एसबीआई पेंशन फंड से संबंधित सेवाओं का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक एवं एसबीआई पेंशन फंड के मध्य एक महत्वपूर्ण एमओयू (स्वप) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य बैंक के ग्राहकों को पेंशन योजनाओं से संबंधित सुविधाओं को सुलभ एवं प्रभावी रूप से उपलब्ध कराना है। इस एमओयू के माध्यम से बैंक के ग्राहकों को बेहतर निवेश विकल्प,सुरक्षित पेंशन योजनाएं तथा भविष्य की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए

विस्तृत सेवाएं प्रदान की जाएगी। यह पहल क्षेत्रीय स्तर पर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ ग्राहकों को दीर्घकालिक लाभ प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। कार्यक्रम में बैंक के वरिष्ठ अधिकारी, एसबीआई पेंशन फंड के प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)